राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,18सितम्बर2020 वर्ष-3, अंक -232 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन मुद्दे पर सदन में बोले राजनाथ-हमारे जवानों का हौसला बुलंद, देश का मस्तक झुकने नहीं देंगे

नेशनल डेस्क ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध पर गुरुवार को राज्यसभा में बयान देते हुए कहा कि हमारे जवान पर सर्तक हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे जवानों ने चीन की हर चाल का जवाब दिया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि बॉर्डर पर तनाव रहेगा तो द्विपक्षीय रिश्तों पर असर आएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत स्ष्ट पर हर स्थिति के लिए तैयार है। रक्षा मंत्री ने कहा कि सदन के माध्यम से मैं, हमारे 130 करोड़ देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं, ।

कि हम देश का मस्तक झुकने नहीं देंगे 7 यह हमारा, हमारे राष्ट्र के प्रति दृढ संकल्प है। राज्यसभा में बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं देशवासियों को यह विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हमारे के जवानों का जोश एवं हौसला बुलंद है, और हमारे जवान किसी भी संकट का सामना करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हैं। इस बार भी, सीमा पर हमारे वीरों ने, किसी भी प्रकार की आक्रामकता दिखाने की बजाय,धैर्य और साहस का परिचय दिया।

रक्षा मंत्री ने सदन में कहा कि हमारे यहां कहा गया है कि 'साहसे खलु श्री वसति।हमारे सैनिक तो साहस के साथ-साथ संयम-शक्ति, शौर्य और पराक्रम की जीती-जागती प्रतिमूर्ति हैं। प्रधानमंत्रीजी के बहादुर जवानों के बीच जाने के बाद हमारे कमांडर तथा जवानों में यह संदेश गया है कि देश के 130 करोड़ देशवासी जवानों के साथ हैं। बता दें कि इससे पहले राजनाथ सिंह ने चीन के साथ तनाव पर लोकसभा में मंगलवार को बयान दिया था। प्रधानमंत्रीजी के बहादुर जवानों के बीच जाने के बाद हमारे कमांडर तथा जवानों में यह संदेश गया है कि देश के 130 करोड़ देशवासी जवानों के साथ हैं। बता दें कि इससे पहले राजनाथ सिंह ने चीन के साथ तनाव पर लोकसभा में मंगलवार को बयान दिया था।

रक्षा मंत्री के संबोधन के प्रमुख अंश

बीते समय में भी चीन के साथ हमारे में लम्बे की स्थिति कई बार बनी है जिसका शांतिपूर्ण तरीके से समाधान किया गया था। हालांकि, इस वर्ष की स्थिति, चाहे वो की हो या की संख्या हो, वह पहले से बहुत अलग है। रह सकते हैं, और जरूरत पड़ने पर बेहतर जवाबी कार्रवाई कर सकते हैं। आने वाले समय में भी सरकार इस उद्देश्य के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहेगी। देश हित में हमें कितना ही बड़ा और कड़ा कदम उठाना पड़े, हम पीछे नहीं हटेंगे। एक ओर किसी को भी हमारे सीमा की सुरक्षा के प्रति हमारे दृढ़ निश्चय के बारे में संदेह नहीं होना चाहिए, वहीं भारत यह भी मानता है कि पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण संबंधों के लिए आपसी सम्मान और आपसी संवेदनशीलता रखना आवश्यक हैं। सदन को जानकारी है कि पिछले कई दशकों में चीन ने बड़े पैमाने पर शुरू की है, जिनसे क्षमता बढ़ी है। इसके जबाव में हमारी सरकार ने भी विकास के लिए बजट बढ़ाया है, जो पहले से लगभग दुगुना हुआ है।

ट्रंप ने अवैध ड्रग्ज उत्पादकों की सूची में भारत सहित 20 देशों को किया चिह्नित

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और 20 अन्य देशों को अवैध मादक पदार्थों के बड़े उत्पादक देशों के तौर पर चिह्नित किया है। ट्रंप ने इन्हें मादक पदार्थों का पारगमन करने वाले देश भी बताया है। ट्रंप ने साथ ही इस बात पर जोर दिया कि उनका प्रशासन मादक पदार्थों से जुड़े आपराधिक संगठनों और उनके समर्थकों से अभूतपूर्व पैमाने पर लड़ाई लड़ रहा है। ट्रंप ने साथ ही बोलीविया और वेनेजुएला में निकोलस मादुरो शासन के पिछले 12 महीनों के दौरान अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ निरोधक समझौतों के तहत अपने दायित्वों का पालन करने में स्पष्ट तौर पर विफल होने का भी उल्लेख किया। ट्रंप ने कहा, ''उल्लेखित सूची में किसी देश का शामिल होना, जरूरी नहीं कि उसकी सरकार के मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई या अमेरिका के साथ सहयोग के स्तर को प्रतिबिंबित करे। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान, भारत, बहामास, बेलीस, बर्मा, कोलंबिया, कोस्टा रिका और डोमिनिकन गणराज्य आदि प्रमुख मादक पदार्थ पारगमन या अवैध मादक पदार्थ उत्पादन करने वाले देश हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया कि इस गोलार्ध का सबसे बड़ा सरगना वेनेजुएला का तानाशाह निकोलस मादुरो है। उन्होंने कहा, ''कोलंबिया में राष्ट्रपति इवान ड्यूक और उनकी सरकार अमेरिका के मजबूत साझेदार हैं।

कालंबियाई पुलिस और सैन्य बलों ने उच्च स्तर के मादक पदार्थ तस्करों को निशाना बनाकर और कोको का उन्मूलन करके बहुत बहादुरी और प्रतिबद्धता दिखायी है। ट्रंप ने कहा कि फिर भी, कोको की खेती और कोकीन का उत्पादन अस्वीकार्य रूप से उच्च स्तर पर बना हुआ है। ट्रंप ने इसको लेकर चिंता जतायी कि कोको की खेती और कोकीन का उत्पादन पेरू में ऐतिहासिक ऊंचाइयों पर है जो कि एक अन्य अमेरिकी सहयोगी है। उन्होंने कहा, ''पेरू अमेरिका का एक मूल्यवान कानून प्रवर्तन साझेदार है और उसने मादक पदार्थ के व्यापार के सभी पहलुओं के खिलाफ लड़ने की निरंतर प्रतिबद्धता दिखायी है। उन्होंने कहा कि मेक्सिको को 'कार्टेल और उनके आपराधिक उद्यमों को खत्म करने की अपनी प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना चाहिए और मैक्सिको और अमेरिका के नागरिकों के जीवन की रक्षा करनी चाहिए जिसे इन समूहों द्वारा खतरे में डाला गया है।

इमरती देवी का बड़ा बयान, बोलीं- एक फोन में हमें कलेक्टर जिताएगा चुनाव

भोपाल। मध्य प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री इमरती देवी का एक बड़ा बयान सामने आया है। इमरती देवी ने कहा,सत्ता और सरकार का इतना दबदबा होता है कि कलेक्टर को जिस सीट का कह दें वह सीट जीत जाती है। कांग्रेस को 27 सीट जीतना है, क्या सरकार चुप बैठी रहेगीज? मंत्री का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। उपुचनाव से पहले इमरती देवी के इस बयान ने मध्य प्रदेश की राजनीति में हड़कंप मचा दिया है। अपने बयानों को लेकर हमेशा चर्चा में रहने वाली सिंधिया की करीबी मानी जाने वाली मंत्री इमरती देवी ने प्रदेश भर के कलेक्टरों की इमानदारी पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए दावा किया कि जिस कलेक्टर को फोन करेंगे वह सीट हम जीत जाएंगे। वायरल वीडियो के अनुसार, इमरती देवी कह रही है किउपचुनाव से हमें सरकार बचाने के लिए 8 सीटें चाहिए और कांग्रेस को सरकार बनाने 27 सीटें, कांग्रेस सभी 27 सीटें जीत जाएगी औरहम क्या हाथ पर हाथ धरे बैठे रहेंगे, सत्ता सरकार में इतनी दम होती है कि जिस कलेक्टर को फोन करेंगे, वह सीट हम जीत जाएंगे। हम क्या हाथ पर हाथ धरे बैठे रहेंगे, सत्ता सरकार में इतनी दम होती है कि जिस कलेक्टर को फोन करेंगे, वह सीट हम जीत जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

किसान विरोधी हैं मोदी सरकार के तीनों कानून, संसद में खिलाफ में वोट करेगी :आप केजरीवाल

नई दिल्ली। कृषि से संबंधित तीन विधेयकों को आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने किसान-विरोधी बताते हुए बृहस्पतिवार को केंद्र से इन्हें वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि संसद में आप इन विधेयकों के खिलाफ मतदान करेगी। राज्यसभा में आप के तीन सांसद और लोकसभा में एक सांसद है। केजरीवाल ने हिंदी में ट्वीट किया, खेती और किसानों से संबंधित तीन विधेयक संसद में लाए गए हैं जो किसान विरोधी हैं। देश भर में किसान इनका विरोध कर रहे हैं। केंद्र सरकार को इन तीनों विधेयकों को वापस लेना चाहिए। आम आदमी पार्टी संसद में इनके विरोध में वोट करेगी। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार संसद के मौजूदा मानसून सत्र में सोमवार को किसानों से संबंधित किसान उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) विधेयक, मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा पर किसान (सशक्तीकरण और संरक्षण) समझौता विधेयक तथा आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक, 2020 लेकर आई है। आवश्यक वस्तु (संशोधन) विधेयक मंगलवार को लोकसभा में पारित हो गया। ये विधेयक किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य दिलाने, कृषि उपज के बाधा मुक्त व्यापार को सक्षम बनाने के साथ ही किसानों को अपनी पसंद के निवेशकों के साथ जुडने़ का मौका प्रदान करने से संबंधित हैं।

भारत में कब तक आएगी कोरोना वायरस की वैक्सीन, स्वास्थ्य मंत्री ने राज्यसभा में दिया जवाब

नई दिल्ली। कोरोना को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने राज्यसभा में कई सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि जुलाई-अगस्त में भारत में कोरोना के 30 करोड़ मामले और 50-60 लाख मौतों की बात कही गई। मौजूदा समय में भारत में रोजाना कोरोना के 11 लाख टेस्ट हो रहे हैं, हमसे ज्यादा बस अमेरिका एक दिन पांच करोड़ टेस्ट करता है। डॉ हर्षवर्धन ने कहा कि हम जल्द ही अमेरिका को टेस्टिंग के मामले में पीछे छोड़ देंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भारत ने कोरोना के प्रबंध में बिल्कुल देरी नहीं की। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सात जनवरी को कोरोना के पहले मामले का जिक्र किया और हमने आठ जनवरी से ही बैठकें करनी शुरू कर दी। इसके अलावा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने जानकारी दी कि कोविड-19 से होने वाली मौत की दर फिलहाल, दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे कम (1.64 फीसदी) है और सरकार का लक्ष्य इस मृत्यु दर को घटा कर एक फीसदी से भी कम करना है। सरकार ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि कोरोना महामारी से निपटने के पुख्ता इंतजाम है और देश में प्रति तीन किलोमीटर पर कोविड-19 के संक्रमण से निपटने का कोई ना कोई केंद्र है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन ने सदन में दो दिन में लगभग चार घंटे तक कोरोना महामारी की स्थिति और निपटने के उठाए गए कदमों पर चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि कोरोना महामारी से निपटने में देश में बुनियादी ढांचे का निर्माण कर लिया गया है। आठ महीने पहले देश में कोरोना वायरस से निपटने का कोई इंतजाम नहीं था ।

कोविड-19

कोविड-19 पर समाधान की बजाय आपस में ही भिड़ गए बीजेपी - आप के सदस्य, खूब उठा ताली और थाली का मुद्दा

नेशनल डेस्क।

आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य राज्यसभा में कोविड-19 के प्रबंधन मुद्दे पर वीरवार को आपस में भिड़ गए। आप ने ताली और थाली बजाने तथा दीप जलाने जैसे कार्यक्रमों के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान का उपहास करते हुए इन्हें ''मूर्खतापूर्ण कदम बताया वहीं भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के ही निर्णयों का परिणाम है कि भारत दृढ़ता से इस बीमारी का मुकाबला कर रहा है। कोविड-19 के संबंध में स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन द्वारा उच्च सदन में दिए गए एक बयान पर चर्चा में भाग लेते हुए आप के संजय सिंह ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में इस आपदा को अवसर बनाते हुए घोटाले किए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि आक्सीमीटर और थर्मामीटर खरीदने तक में घोटाले हुए और भ्रष्टाचार के आरोप में ही भाजपा के एक प्रदेश अध्यक्ष को गिरफ्तार तक किया गया। सिंह ने ताली और थाली बजाने तथा दीप जलाने जैसे कार्यक्रमों का उपहास करते हुए इन्हें ''मूर्खतापूर्ण%% कदम बताया और कहा कि इस कोरोना संकट के दौरान दिल्ली सरकार ने अनुकरणीय काम किया और दुनिया भर में दिल्ली मॉडल की चर्चा हो रही है। आप नेता पर पलटवार करते हुए भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि ताली, थाली जैसे कार्यक्रमों का प्रधानमंत्री का आह्वान सांकेतिक था और इसके जरिए उन्होंने देश को सामाजिक रूप से एकजुट करने का प्रयास किया। उनका यह कदम ठीक वैसा ही था जैसा महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान ''चरखा को राष्ट्र को एकजुट करने के संकेत के रूप में चुना। कोरोना वायरस संक्रमण के भारत में फैलने के शुरुआती दिनों में प्रधानमंत्री ने ताली, थाली बजाने और दीपक जलाने जैसे कार्यक्रमों का आह्वान किया था। भाजपा नेताओं का कहना रहा है कि ऐसा करने के पीछे प्रधानमंत्री का उद्देश्य कोरोना योद्धाओं का सम्मान करना था जो कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे थे। संजय सिंह के आरोपों का जवाब देते हुए त्रिवेदी ने कहा कि दिया जलाना, थाली पीटना और ताली बजाना जैसे आह्वान कोरोना के खिलाफ लड़ाई में उठाए गए सांकेतिक कदम थे...क्या चरखे के इस्तेमाल से अंग्रेज देश छोड़कर भाग जाते...चरखा सांकेतिक था जिसे महात्मा गांधी ने देश को अंग्रेजों के खिलाफ एकजुट करने के लिए एक संकेत के रूप में उपयोग किया। ठीक उसी प्रकार प्रधानमंत्री मोदी ने दिया, थाली और ताली भारतीयों को कोरोना के खिलाफ एकजुट करने का काम किया। जैसे संकेतों के माध्यम से सभी भारतीयों को कोरोना के खिलाफ एकजुट करने का काम किया। त्रिवेदी ने राहुल गांधी का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधा और कहा कि कुछ नेता कह रहे हैं कि उन्होंने कोरोना वायरस के संक्रमण के खतरे से बहुत पहले सरकार को चेताया था लेकिन वे खुद उस वक्त भारत में नहीं थे जब कांग्रेस अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध की मांग कर रही थी। उन्होंने उन आरोपों का भी खंडन किया कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार को गिराने के लिए केंद्र सरकार ने लॉकडाउन लागू करने में देरी की। भाजपा नेता ने कहा कि उस समय देश में कोरोना वायरस संक्रमण के केवल 29 मामले थे और मध्य प्रदेश में इसका एक भी मामला नहीं था।

मोदी के जन्मदिन पर कांग्रेस ने ट्रेंड कराया बेरोजगारी दिवस, लोग बोले-ये दिन ठीक नहीं!

नेशनल डेस्क।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 70 साल के हो गए। देश-दुनिया से पीएम मोदी को बधाइयां मिल रही हैं। वहीं युवा कांग्रेस आज राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस मना रही है। खुद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसी हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने ट्वीट किया कि यही कारण है कि देश का युवा आज ष्राष्ट्रीयद्बबेरोजगारीद्बदिवस मनाने पर मजबूर है। रोज़गार सम्मान है। सरकार कब तक ये सम्मान देने से पीछे हटेगी? वहीं कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं ने ष्राष्ट्रीयद्बबेरोजगारीद्बदिवस हैशटैग के साथ ट्वीट किया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने इसी हैशटैग के साथ ट्वीट किया, ÷युवाओं ने महाहुंकार भरी है। अब भी सरकार आंख मूंदे बैठी रही और अपना रुख नहीं बदला तो युवा सरकार बदल देंगे। कांग्रेस की तरफ से पीएम मोदी के जन्मदिन पर ऐसा करना कई लोगों को रास नहीं आ रहा। इसी हैशटैग के साथ कई लोगों ने आपत्ति जताई। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने लिखा कि कांग्रेस को कोई और दिन चुनना चाहिए था।

किसी के जन्मदिन पर उसके लिए ऐसी बातें करना उचित नहीं है। कई लोगों ने लिखा कि शर्मनाक, कांग्रेस को सिर्फ सत्ता, कुर्सी की पड़ी है। आज एक इंसान का जन्मदिन है; बेशर्मी की भी हद होती है। कांग्रेस ने तो सिर्फ राजनीति करनी है। बता दें कि साल 1950 में 17 सितंबर के दिन ही नरेंद्र दामोदर मोदी का जन्म हुआ, जिन्हें 26 मई 2014 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने देश के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई। जिन्हें 26 मई 2014 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने देश के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई। जिन्हें 26 मई 2014 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने देश के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई। पांच बरस बाद 2019 में भाजपा ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक बार फिर चुनाव जीता और उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरूआत की। यहां यह जानना दिलचस्प होगा कि नरेंद्र मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने आजाद भारत में जन्म लिया। एक साधारण परिवार में जन्मे नरेन्द्र मोदी का सता के शीर्ष पर पहुंचना इस बात का संकेत है ।

लोकसभा में दो कृषि विधेयकों पर चर्चा, जांच समिति के पास भेजने की मांग

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का आज चौथा दिन है। संसद के चौथे दिन कृषि अध्यादेश पर चर्चा के दौरान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कृषि उपज एवं कीमत आश्वासन संबंधी विधेयकों को 'परिवर्तनकारी बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इससे किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य दिलाना सुनिश्चित होगा और उन्हें निजी निवेश एवं प्रौद्योगिकी भी सुलभ हो सकेगी। तोमर ने लोकसभा में कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्द्धन और सुविधा) विधेयक-2020 और कृषक (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक-2020 को चर्चा एवं पारित होने के लिए पेश करते हुए यह बात कही । कांग्रेस और अन्य दल विधेयक का विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि यह एमएसपी प्रणाली द्वारा किसानों को प्रदान किए गए सुरक्षा कवच को कमजोर कर देगा और बड़ी कंपनियों द्वारा किसानों के शोषण की स्थिति को जन्म देगा। विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस के रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि किसानों के लिए काला कानून लाया जा रहा है। इससे किसानों को बख्श देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार का सहयोगी शिरोमणि अकाली दल भी विधेयक के खिलाफ बोला है। भाजपा के वीरेंद्र सिंह ने विधेयकों को किसानों के लिए लाभकारी बताते हुए कहा कि यह आजादी के बाद पहली सरकार हैजिसने किसानों की समृद्धि के लिए काम किया। जिसने किसानों की समृद्धि के लिए काम किया।

चन्नग्रां क्षेत्र में अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई, पुलिस बल के साथ पहुंची टीम

कठुआ । सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों को हटाने की मुहिम को प्रशासन ने जारी रखा हुआ है। इसी के चलते चन्नग्रां क्षेत्र में बहने वाली खड्ड के पास किए गए अवैध कब्जों को हटाने के लिए पुलिस बल के साथ अभियान चलाया गया। सरकारी भूमि पर बनाई गई दो दुकानों के अलावा कुल्लों को हटाया गया। हालांकि एक रिहायशी कुल्ला भी था जिसके भीतर सामान एवं कुछ महिलाएं थी जिसके चलते मौके पर मौजूद अधिकारियों ने उन्हें एक दिन के भीतर उसे भी खाली करने को कहा। यह सारी कार्रवाई दो घंटे से भी ज्यादा समय तक जारी रही। ए.सी.आर. देवेंद्र पाल के अलावा तहसीलदार गौरव शर्मा, डी.एस.पी. कमल देव भगत, माजिद महबूब, थाना प्रभारी अरविंद संब्याल भी मौके पर मौजूद रहे। कार्रवाई का विरोध कर रहे विशेष समुदाय के लोगों ने कहा कि वे पिछले कई दशकों से यहां रह रहे हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि उनके साथ इस भूमि के कागजात भी हैं उनकी गिरदावरी तक चढ़ी हैं परंतु प्रशासन जानबूझ कर उन्हें निशाना बना रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की इस तरह की कार्रवाई निंदनीय है। वहीं, ए.सी.आर. देवेंद्र पाल ने बताया कि पच्चास कनाल के करीब सरकारी भूमि पर कब्जा हटाने के लिए कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल कुछ ढांचों को गिराया गया है। अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध प्रशासन की कार्रवाई जारी रहेगी। जहां जहां भी सरकारी भूमि पर अतिक्रमण होगी, वहां कार्रवाई की जाएगी। चन्नग्रां मार्ग पर इस कार्रवाई के चलते पुलिस बल की भारी तैनाती रही। पुलिस ने एहतियातन मार्ग पर दोनों ओर से आवाजाही को भी बंद कर दिया था।

संपादकीय

कटौती के बाद

प्रधानमंत्री, मंत्रियों और सांसदों के वेतन में कटौती न केवल स्वागत के योग्य, बल्कि अनुकरणीय भी है। वैसे तो अप्रैल के महीने में ही वेतन कटौती कर दी गई थी और तब अध्यादेश लाकर यह काम किया गया था, लेकिन अब बाकायदे विधेयक पारित करके कटौती पर मुहर लगाई गई है। अप्रैल में यह लग रहा था कि कोरोना-काल ज्यादा नहीं टिकेगा, लेकिन अब सितंबर में भी साफ तौर पर लगने लगा है कि यह बुरा समय आगे भी चलने वाला है। ऐसे में, सांसदों द्वारा देश को यह संदेश देना जरूरी था कि देश में अगर सबकी कमाई घटी है, तो उनमें सांसद भी शामिल हैं। यह नैतिकता का तकाजा है कि खुद आगे बढ़कर सांसदों ने वेतन में कटौती की है। लोकसभा में मंगलवार को सबकी सहमति से पारित इस विधेयक से यह पता चलता है कि सांसद महामारी के समय अपने व्यक्तिगत योगदान को लेकर सजग हैं। पूरे एक वर्ष के लिए वेतन को 30 प्रतिशत घटाया गया है। सांसदों के वेतन में हुई कटौती से भले ही महज 29 करोड़ रुपये बचेंगे, लेकिन सेवा में योगदान के प्रति उनका नैतिक बल जरूर बढ़ेगा। हालांकि कोरोना के समय सांसदों के कुछ ऐसे भत्तों में भी कटौती की जा सकती थी, जिनकी जरूरत समय के साथ कम हो गई है। सांसदों का लोगों से मिलना-जुलना पहले की तुलना में कम हुआ है, ज्यादातर बैठकें भी आभासी हो गई हैं, और यह उचित भी है। ऐसे में, भत्तों पर एक बार निगाह फेरने की जरूरत थी। हां, थोड़ी चिंता क्षेत्रीय विकास के लिए मिलने वाली सांसद निधि को दो साल तक निलंबित करने को लेकर जरूर है। हरेक सांसद को हर साल पांच करोड़ रुपये सांसद निधि के रूप में मिलते हैं, ताकि वह अपने क्षेत्र के विकास में जरूरत के हिसाब से खर्च कर या करा सकें। अनेक विपक्षी नेताओं ने सांसद निधि के निलंबन को गैर-जरूरी बताया है। महामारी के समय में सांसदों की जिम्मेदारी कतई कम नहीं हुई है, लोग उनसे पहले की तरह ही उम्मीद करेंगे, बल्कि महामारी के समय तो लोगों की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। ऐसे समय में, सांसद निधि की पूरी न सही, आंशिक बहाली के पक्ष में मजबूत तर्क दिए जा सकते हैं। सांसद निधि खर्च न होने से होने वाली बचत को अगर वेतन में 30 प्रतिशत कटौती से होने वाली बचत के साथ मिला दिया जाए, तो अनुमान है कि सरकार के पास 7,930 करोड़ रुपये बचेंगे। इस धनराशि को कोरोना के खिलाफ लड़ाई में खर्च करने का सरकार का इरादा है और इसे कतई गलत नहीं कहा जा सकता। वेतन-भत्ते कटौती के लिए आगे आने वालों में राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति और राज्यपाल भी शामिल हैं। देश के सभी राज्यों को ऐसी ही कटौती की दिशा में कदम उठाना चाहिए। सरकार सही कह रही है कि सेवा घर से शुरू होती है और इसे हर स्तर पर लागू करके देश के सामने आदर्श पेश करना सांसदों की जिम्मेदारी है। वेतन में कटौती के साथ ही सरकार को अपने उन खर्चों को भी प्राथमिकता के साथ कम करना चाहिए, जिनके बिना काम चल सकता है। फिजूलखर्ची रोकने के साथ ही यह भी बहुत जरूरी है कि कोरोना के नाम पर एकत्र हो रहा धन सिर्फ जरूरतमंदों के हाथों तक पहुंचे। जिम्मेदारी जितनी सरकार पर है, उतनी ही सभी सांसदों पर भी, ताकि कोरोना के समय देश की पाई-पाई का अधिकतम सदुपयोग हो सके।

आज के ट्वीट

साथ

चीन के साथ सीमा विवाद को लेकर जारी संघर्ष, तनाव व तैनाती आदि को लेकर देश में उत्सुकता व चिन्ता स्वाभाविक है, जिसको लेकर सरकार ने संसद में कल बयान भी दिया है। बीएसपी को भरोसा है कि भारत सरकार देश की अपेक्षा के अनुरूप चीन को करारा जवाब देती रहेगी। बीएसपी सरकार व सेना के साथ।

– मायावती

तरक्की के लिए जरूरी है सांप्रदायिक सौहार्द

एन.एन. वोहरा

विभाजन के बाद का अनुभव बताता है कि देश निर्माण में जिस तरह अन्य सब चीजों की जरूरत एक जैसी होती है, वहीं अर्थपूर्ण विकास एवं उन्नति तभी प्राप्त की जा सकती है जब मुल्क में राजनीतिक स्थिरता और सामाजिक-व्यवस्था कायम रहे। व्यवसाय घरेलू हो या विदेशी कंपनियां, वे तभी निवेश कर मुनाफादायक धंधा चला पाएंगे जब मुल्क और समाज में शांति और सामान्य हालात कायम रहें। इस तरह का माहौल बनाने के लिए जरूरी है कि सरकारी तंत्र तेजी और दक्षता के साथ काम करे, कानून-व्यवस्था बनी रहे, भ्रष्टाचार नियंत्रण में हो और सभी नागरिकों की भलाई एवं सुरक्षा सुनिश्चित रहे। अतएव यदि सभी मोर्चों पर तरक्की पानी है और देश को उस ध्येय को तेजी से पाना है, जिसके लिए आजादी लेते वक्त अहद उठाया था, तो सबसे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि एक स्वच्छ एवं दक्ष प्रशासन देने के अलावा मुल्क में विश्वास, सुरक्षा एवं निश्चिंतता व्याप्त रहे। इसके लिए प्रथम और आवश्यक अवयव है स्थिरता और सार्वजनिक व्यवस्था कायम करना और सभी मोर्चों पर तेजी से प्राप्ति करना, हम उस किस्म की सांप्रदायिक अशांति पैदा होना बार-बार गवारा नहीं कर सकते जिस तरह हाल में राष्ट्रीय राजधानी में देखने को मिली है, जिसके नतीजे में व्यापक स्तर पर हिंसा, हत्याएं और जान-माल का नुकसान हुआ है। यह गंभीर चिंता का विषय है और जैसा कि मीडिया में बताया गया है, उक्त अशांति इसलिए बनी थी क्योंकि एक संप्रदाय विशेष की आस्था और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाओं पर दूसरे संप्रदाय से संबंधित राजनीतिक तत्वों को किंतु-परंतु करने और मखौल उड़ाने दिया गया था, जाहिर है इसका उद्देश्य धार्मिक वैमनस्य पैदा करना था। सनद रहे कि दंगों में जान-माल की हानि के अलावा आर्थिकी को भी काफी नुकसान पहुंचता है, सांप्रदायिक हिंसा की प्रत्येक घटना अनेकानेक दीर्घकालीन नतीजे पीछे छोड़कर जाती है मसलन आपसी अविश्वास, विभिन्न जातियों अथवा संप्रदायों के बीच एक-दूसरे का डर और लोगों के बीच नफरत घर कर जाती है। बैर का ऐसा बीज पड़ जाता है जो कई पीढ़ियों तक खत्म नहीं होता जैसा कि दिल्ली वाली घटनाओं में हुआ है। इस तरह के प्रसंग अलग-अलग संप्रदायों से संबंध रखने वाले पड़ोसियों के बीच कभी न भरने वाली दरार पैदा कर देते हैं, जो इससे पहले दशकों से उन्हीं गली-मोहल्लों में आपस में मिल-जुलकर हंसी-खुशी रहते आए हैं। अफसोसनाक है कि सांप्रदायिकता का वायरस एक बार किसी के दिमाग में घुस जाए तो उसे निकालना बहुत कठिन होता है। सबसे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण है कि शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों के बीच आपसी बैर और फूट का कैंसर फैलाने की कोशिश की जा रही है। हालिया वर्षों में, राष्ट्रीय राजधानी की दो यूनिवर्सिटियों में अभूतपूर्व हिंसक झड़पें हुई हैं, शैक्षणिक सत्रों को अपूरणीय नुकसान भी पहुंचा है। छात्र वर्ग को सबसे बेहतरीन मौके मुहैया करवाकर और भारत की विशाल युवा शक्ति का भरपूर इस्तेमाल करके तेजी से आर्थिक तरक्की पाने की बजाय यहां युवाओं को राजनीतिक लाभ उठाने की खातिर गुमराह किया जा रहा है। देशभर में शहरों, गांवों और दूर-दराज में फैली अनेकानेक जातियां हैं, जिनसे हमारी विशाल जनसंख्या बनी है। लोग विभिन्न संप्रदाय, बोलियां एवं सांस्कृतिक अंतर का प्रतिनिधित्व करते हैं और मिलकर वह भारत बनाते हैं। जिसे 'अबाधित विविधताओं का देश' कहा जाता है। इस विविधता को हमारे संविधान निर्माताओं ने बड़ी संवेदनशीलता और स्वीकार्यता दिखाते हुए समाहित किया था, जब उन्होंने नागरिकों के हक एवं विशेषाधिकार और राजकीय नीति सिद्धांत बनाए थे। अपने सार्वजनिक भाषणों और वक्तव्यों में राजनेता अक्सर देश की हजारों साल पुरानी सभ्यता का जिक्र करते वक्त न्यायोचित गर्व से बताते हैं कैसे कालांतर में इस 'अनेकता में एकता' से हमें बहुत ज्यादा सामाजिक बल मिलता रहा है। हालांकि, बतौर नागरिक अब महसूस हो रहा है कि हमारे समाज में उपस्थित बहुस्तरीय विविधता के प्रति संवेदनशीलता लगातार खत्म होती जा रही है, यह ह्रास कुछ राजनीतिक दलों की वजह है जो लोगों के बीच जाति-संप्रदायगत फूट डालकर अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने में लगे हैं। तरक्की, गरीबी उन्मूलन और असमानता हटाने वाले ध्येय की प्राप्ति हेतु हमें स्थिरता की जरूरत है ताकि देश आर्थिक एवं सैन्य रूप से मजबूत बनने की दिशा में आगे बढ़ सके। सांप्रदायिक प्रेम में किसी किस्म की फूट पड़ना हम गवारा नहीं कर सकते और इसका अंजाम किस कदर तबाहकुन होता है यह इस भस्मासुर ने बार-बार दिखा दिया है। इसकी बजाय हमें सतत सामाजिक सौहार्द कायम रखना होगा और उस रिवायती सहनशीलता को पुनः जागृत करना होगा, जिसके माध्यम से हम सदियों से जाति, संप्रदाय और भाषा में विषमता के बावजूद सम्मिलित शक्ति प्राप्त कर लेते थे। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न भागों से हमारे युवा लड़के-लड़कियां अपने घरों से दूर जाकर नौकरी करने लगे हैं। आज हमें जम्मू-कश्मीर के पहाड़ों और राजस्थान के रेतीले इलाकों में मिजो, नागा और मणिपुरी युवा काम करते मिल जाएंगे, इसी तरह केरल और अंडमान द्वीप में पंजाबी और हरियाणवी कामगार नजर आते हैं। यह चलन स्वागतयोग्य है क्योंकि इससे सांस्कृतिक एकीकरण बनता है। अलग नैन-नक्श वाले जिन लोगों को हमारे बच्चों ने पहले न देखा हो, उनकी पृष्ठभूमि और संस्कृति के बारे में जागरूक करवाना हमारा फर्ज बनता है। साथ ही उनके खान-पान की आदतें, कपड़े पहनने के रंग-ढंग और यहां तक कि बालों के स्टाइल चुनने की आजादी का सम्मान करना सिखाना चाहिए। हाल के वर्षों में हमें जाति और संप्रदाय को लेकर हुए दंगों, भीड़तंत्र से उपजी सरेआम हत्याओं के क्रूर दृश्य देखने को मिले हैं। प्रत्येक सरकार सुनिश्चित करे कि इनकी पुनरावृत्ति न होने पाए। हमारे नीति-निर्धारकों को अहसास होना चाहिए कि अगर प्रशासनिक मशीनरी के कामकाज की खामियों को दूर नहीं किया तो आगे हालात बहुत खतरनाक बन सकते हैं। वर्तमान विफलताओं और भावी चुनौतियों का आकलन करते हुए कार्यपालिका और न्यायपालिका तुरंत प्रभाव से अपनी असल संवैधानिक भूमिका का निर्वहन करें। संविधान की हिफाजत-निडर होकर न्याय करने की अपनी सर्वोच्च जिम्मेवारी का अहसास पूरी तरह पुनः जगने का और ज्यादा इंतजार न्यायपालिका न करे। काफी अरसे से लंबित पड़े चुनाव सुधार, जो हमारे लोकतांत्रिक ढांचे में व्याप्त अनेकानेक व्याधियों के इलाज हेतु अत्यंत जरूरी हैं, इनको प्राथमिकता देते हुए लागू किया जाए। साथ-ही-साथ, नीति-निर्धारक स्व-शुद्धि की जरूरत को मान्यता दें ताकि संपूर्ण प्रशासनिक ढांचे की पूरी तरह सफाई हो सके और राज्यों के अधिसंख्य विभागों में विचरने वाले दलालों का सफाया हो सके, ऐसे सुधार लागू किए जाएं। आवश्यक सुधार लागू करने में राजनीतिक इच्छाशक्ति और दृढ़ता जरूरी होती है, लेकिन यह किए बिना हम भारत के नागरिकों को संतोषजनक प्रशासन नहीं दे सकते। उम्मीद करें कि हमारे नीति-निर्धारक हिम्मत दिखाते हुए चुनौती को सुलझाने की खातिर गांडीव अवश्य उठाएंगे। लेखक जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल हैं। उपरोक्त लेख शताब्दी वर्ष में 9 सितंबर को आयोजित सर सैयद यादगारी व्याख्यान में दिए गए ऑनलाइन संबोधन के अंशों पर आधारित है

ज्ञान गंगा

धर्म

श्रीराम शर्मा आचार्य

आज के समय में लोगों ने धर्म को मजहब या संप्रदाय का पर्यायवाची मान लिया है। वे 'धर्म' शब्द सुनते ही किसी मत-पंथ या संप्रदाय से समझते हैं। यह नितांत भूल है। इसी भूल के चलते धर्म की गरिमा संदिग्ध हो गई है और मनुष्य धार्मिक कहलाने में गर्व अनुभव करने के बदले संकोच अनुभव करता है। इस भ्रम को दूर करना जरूरी है। 'धर्म' कोई संप्रदाय नहीं, कोई मत-पंथ नहीं, बल्कि वह एक ऐसी रीति-नीति है, जो मानव को महामानव बनाकर खड़ा करती है। वह धारण करने की वस्तु है, न कि रटने भर की। उसे धारण करने पर ही वह अपेक्षित अनुदान दे सकने में समर्थ होता है। केवल रटने भर के धर्म में कोई ताकत नहीं होती जो किसी को कुछ दे दे। सृष्टि निर्माण में मानवी चेतना के प्रादुर्भाव के साथ ही कर्तव्य-अकर्तव्य की भावना ने सामाजिक प्राणी मानव के समक्ष धर्म का स्वरूप प्रस्तुत कर दिया। धर्म-भावना ईश्वरवादी सृष्टि से भी ऊंची है। संसार में कोई भी राष्ट्र, कोई भी प्राणी अधार्मिक होकर जी नहीं सकता क्योंकि प्राणी मात्र के कल्याण के लिए जो कुछ भी संभव हो सकता है, वह सब धर्म की सीमाओं में रहकर ही हो सकता है। मनुष्य का धर्म यह है कि वह बाह्य व्यवहार एवं आंतरिक वृत्तियों का परिशोधन करे, अपने मूल रूप को जीवन में व्यक्त करे। यही शुद्ध स्वरूप ज्ञान 'आत्मवत् सर्व भूतेषु' की श्रेष्ठतम भावनाओं को स्फुरित कर लोक मंगल को सहज साध्य बना सकता है। स्थूल स्तर पर हम धर्म को दो रूपों में देख सकते हैं। एक रूप वह जो देश, काल, पात्र के अनुरूप आचार संहिता प्रस्तुत करता है और आवश्यकतानुसार यथोचित परिवर्तन के साथ लोक मंगल की दिशाएं सक्रिय बनाता है। धर्म का यह स्वरूप देश, काल और पात्र का सापेक्ष होता है। दूसरा स्वरूप वह है जो मूल तत्व है, शात है, अजर, अमर, अपरिवर्तनीय और अविनाशी है। यह मानवी आध्यात्मिक शक्तियों का उस चरम बिन्दु तक का विकास है, जहां धरती पर स्वर्ग और मनुष्य में देवत्व का अवतरण हो जाता है अर्थात् मानव का बाह्य आचरण एवं आंतरिक विचारणा मानव मात्र के कल्याण की दिशा में उन्मुख हो जाते हैं।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय

दूर नहीं हुए गहलोत-पायलट के गिले-शिकवे

यश गोयल

एक माह बाद घर लौटे सचिन पायलट समर्थित विधायकों की 'राजनीतिक इच्छा' बरकरार है। कुल 32 दिन तक हरियाणा सरकार की शरण में रहने के बाद सचिन पायलट समर्थित 19 विधायक गहलोत सरकार के विधानसभा में शक्ति-परीक्षण से एक दिन पहले लौट आये थे। उनकी सोच थी कि पार्टी हाईकमान उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगा। मगर, ऐसे आसार दिख नहीं रहे। वास्तव में 14 अगस्त को विधानसभा के विशेष-सत्र में अशोक गहलोत सरकार का 124 मतों से विश्वास जीत जाना विपक्षी भाजपा को घोर निराशा में डाल गया। यह प्रकरण पायलट खेमे को भी अलग-थलग कर गया। गत एक माह में पार्टी नेतृत्व ने कोई संकेत नहीं दिया कि पायलट जिन्हें डिप्टी सीएम और प्रदेश अध्यक्ष, विश्वेंद्र सिंह को टूरिज्म मंत्रालय और रमेश मीणा को खाद्य मंत्रालय पदों से हटाया गया, उन्हें कोई पद वापस दिया जायेगा। 16 अन्य विधायकों की कोई राजनीतिक पद-विभाग पाने की अभिलाषा भी पूरी नहीं हुई। गहलोत सरकार के मजबूती से लौटते ही कांग्रेस के महासचिव अविनाश पाण्डे को राजस्थान प्रभारी पद से हटा कर अजय माकन को पदस्थ किया गया। अविनाश गहलोत के इशारे पर पीसीसी चला रहे थे और पायलट को साइड लाइन किया जा रहा था। पार्टी में लौट आने की मांगों को सुलझाने और न्याय दिलाने के लिए एआईसीसी ने अहमद पटेल के नेतृत्व में तीन सदस्यीय कमेटी बनाई थी, जिसमें अजय माकन और राज्य से चुने राज्यसभा

जैसे कोई जांच कमेटी का निष्पक्ष सदस्य राज्य में पहली बार आया हो। माकन दूसरे दिन ही दिल्ली लौट गये। जाते-जाते माकन ये कह गये कि गहलोत सरकार के सभी मंत्री 2 अक्तूबर को अपनी जन घोषणा-पत्र की उपलब्धियों पर रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करें और पार्टी लीडर्स बतायें कि उन्होंने संगठन के लिए क्या-क्या किया? माकन के दूसरे प्रस्तावित दौरे से पहले पायलट अपने चुनाव क्षेत्र टोंक और अन्य जिलों में भी खोया हुआ संपर्क साधने गये। उन्हें हर जगह अभूतपूर्व समर्थन और प्यार मिला। मीडिया प्रचार भी मिला। यही नहीं, पायलट के 43वें जन्मदिन (7 सितंबर को) पर 200 विधानसभा क्षेत्रों में पायलट के प्रशंसकों ने 45000 यूनिट रक्तदान करके विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। विधानसभा सत्र के बाद जो मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा चली वह तब ठंडी हो गयी जब राज्य चुनाव आयोग ने 3848 ग्राम पंचायतों में 4 चरणों में चुनाव घोषित कर दिये। माकन ने दूसरे दौरे में जयपुर और अजमेर संभाग में कार्यकर्ताओं और एमएलए के मन टटोलने की बैठकें, और सत्ता-संगठन को मजबूत करने की परख की, मगर अजमेर जिले में पायलट समर्थकों ने माकन के समक्ष नारेबाजी की और धरना दिया। वे माकन से मुलाकात कर पायलट को तुरंत सत्ता में लेने की वकालत कर रहे थे। भूतपूर्व विस अध्यक्ष और पायलट ग्रुप के विधायक दीपेंद्र सिंह शेखावत ने माकन को अपने सुझाव बंद लिफाफे में दिये। अन्य मसलों में विधायकों ने माकन से किसानों के बिजली बिल माफ करने, कर्मचारी ट्रांसफर और राजनीतिक नियुक्तियों पर जोर दिया

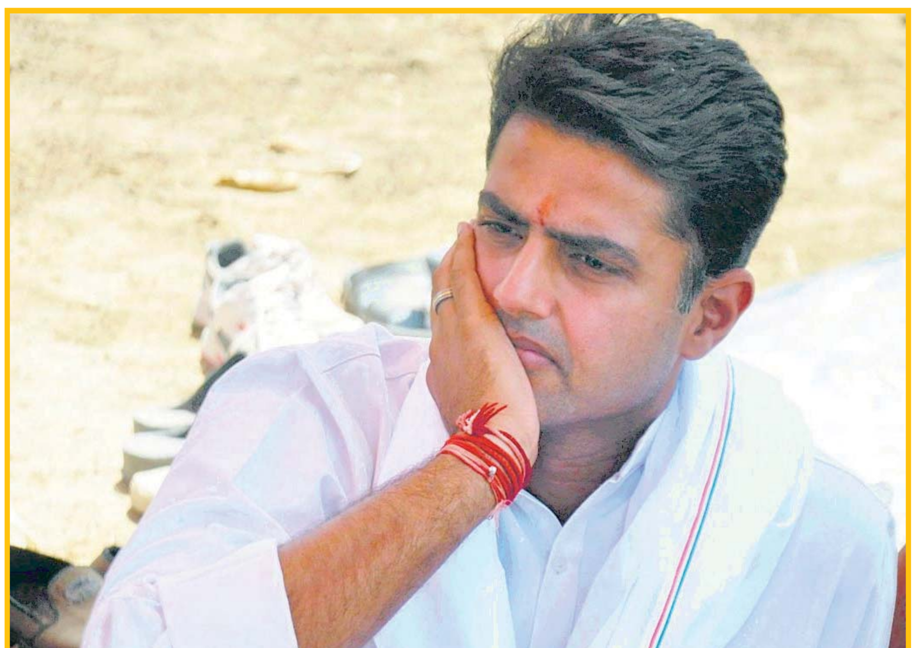

गांधी के मित्र) और उदयपुर के रघुवीर मीणा को सदस्य बनाया। यही नहीं, बाड़ाबंदी में गहलोत के साथ रही क्राइसिस मैनेजमेंट टीम के नेताओं सुरजेवाला, विवेक बंसल और माकन को भी सीडब्ल्यूसी में लिया गया। मगर, पायलट ग्रुप के 19 में से किसी का नंबर नहीं लगा। पायलट ने गुर्जर आरक्षण का एक पासा फेंक कर अपने समुदाय को जगाने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में पायलट ने सरकारी भर्तियों में पांच

शर्मा को जो हैल्थ मिनिस्टर भी हैं। हटाये गये मंत्री विश्वेंद्र सिंह का करौली-धौलपुर का प्रभार हटा कर अन्य मंत्रियों को दे दिया। इसी तरह भूतपूर्व मंत्री रमेश मीणा से झालावाड़, बारा का प्रभार छीन लिया। बहरहाल, मंत्रिमंडल विस्तार होने की संभावना दूर-दूर तक नहीं है। राजनीतिक नियुक्तियां कब और कैसे होंगी, कोई भविष्यवाणी नहीं कर सकता। दिलचस्प है कि अशोक गहलोत के पास 20 मंत्रालय हैं, जिनमें वित्त और गृह प्रमुख

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की जीडीपी में 8.6 प्रतिशत गिरावट का अनुमान, राजकोषीय प्रोत्साहन की जरूरत: ब्रोकरेज कंपनी

मुंबई। ब्रोकरेज कंपनी यूबीएस सिक्योरिटीज ने वित्त वर्ष 2020-21 में भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) में 8.6 प्रतिशत गिरावट आने का अनुमान लगाया है। हालांकि, इससे पहले उसने इसमें 5.8 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान जताया था। यूबीएस सिक्योरिटीज ने कहा कि संकट से निपटने को लेकर सरकार के 'हल्के' कदम समेत अन्य कारकों को ध्यान में रखकर उसने जीडीपी में गिरावट के अनुमान को संशोधित किया है। उसने कहा कि आर्थिक वृद्धि में गिरावट को थामने के लिये ठोस कदम के अभाव में देश में वृद्धि की संभावना दर भी घटकर 5.75 से 6.25 प्रतिशत पर आ गयी है जबकि पूर्व में यह 7.1 प्रतिशत थी।ब्रोकरेज कंपनी की मुख्य अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता जैन ने संवाददाताओं से कहा कि उच्च आवृत्ति के आंकड़े में कुछ सुधार है लेकिन इसका प्रमुख कारण गिरावट के बाद मांग में सुधार होना है और सितंबर तिमाही के बाद आर्थिक पुनरूद्धार धीरे-धीरे होगा। उल्लेखनीय है कि देश के जीडीपी में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में करीब एक चौथाई की गिरावट आयी है। इसका एक बड़ा कारण कोविड-19 माहामारी और उसकी रोकथाम के लिये लॉकडाउन लगाया जाना था। इससे आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुईं। देश में सक्रमित मामलों में वृद्धि जारी है और भारत अब दुनिया में दूसरा सर्वाधिक संक्रमित देश हो गया है। जैन ने कहा कि जो पुनरूद्धार अभी हम देख रहे हैं, वह टिकने वाला नहीं है क्योंकि संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं और इसके साथ आय को लेकर अनिश्चितता भी बढ़ रही है। इससे लोग खपत को कम कर रहे हैं जबकि अर्थव्यवस्था लगभग 60 प्रतिशत तक इस पर निर्भर है।

प्याज निर्यात पर रोक लगाने के आदेश से महाराष्ट्र सरकार नाराज, केन्द्र से आदेश वापस लेने की मांग

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के प्याज निर्यात पर पूरी तरह रोक लगाने को लेकर महाराष्ट्र में बुधवार को विरोध जताया गया। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने निर्यात पर पाबंदी हटाने को लेकर केंद्र को पत्र लिखने की बात कही है। वहीं महाराष्ट्र सरकार में सहयोगी कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने केंद्र के इस कदम को 'किसान-विरोधी' 'महापाप' और 'अन्याय' भरा कदम बताया। महाराष्ट्र मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक आधिकारिक बयान में बुधवार को कहा, 'राज्य के मंत्रियों द्वारा केंद्र सरकार के प्याज निर्यात पर रोक लगाने को लेकर रोष जताने के बाद मुख्यमंत्री ठाकरे ने मंत्रिमंडल की बैठक में इसे लेकर केंद्र सरकार को पत्र लिखने की बात कही।' राज्य की गठबंधन सरकार में सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता राज्य के उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार ने केंद्र के इस निर्णय को किसान-विरोधी और उन पर दबाव बढ़ाने वाला 'महापाप' बताया। राकांपा मुख्यालय पर एक बैठक में पवार ने कहा केंद्र सरकार ने ऐसे समय पर प्याज के निर्यात पर रोक लगायी है जब किसानों को अच्छी कीमत मिल रही थी। यह पूरी तरह गलत है। यह बात साफ है कि केंद्र सरकार किसान विरोधी रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा प्याज उत्पादक पहले से कोविड- उन्होंने कहा प्याज उत्पादक पहले से कोविड-19 की मार झेल रहे हैं और अब केंद्र सरकार ने प्याज निर्यात पर पाबंदी लगाकर उन पर और दबाव बनाने का महापाप किया है। राज्य में गठबंधन सरकार की एक और सहयोगी दल कांग्रेस ने केंद्र के इस फैसले को लेकर राज्यभर में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री बालासाहब थोराट ने कहा कि निर्यात पर प्रतिबंध के चलते प्याज के दाम गिर गए हैं।

अमेरिकी कंपनी एच-1बी वीजा उल्लंघनों के लिए 3.45 लाख डॉलर का भुगतान करेगी

वाशिंगटन। न्यूजर्सी स्थित एक कर्मचारी भर्ती कंपनी ने इन आरोपों को निपटाने के लिए 3.45 लाख अमेरिकी डॉलर देने पर सहमति जताई है कि उसने अमेरिका में एच-1बी वीजा पर कर्मचारियों को लाने के दौरान आव्रजन और रोजगार नियमों का उल्लंघन किया है। एच-1बी वीजा गैर-आव्रजक वीजा है। इसके जरिये अमेरिकी कंपनियां विशेषज्ञता वाले पदों पर विदेशी पेशेवरों की नियुक्ति कर सकती हैं। भारतीय आईटी पेशवरों के बीच एच-1बी वीजा की सबसे अधिक मांग रहती है। अमेरिका में आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) की आंतरिक सुरक्षा जांच (एचएसआई), श्रम विभाग और न्यूजर्सी जिले के अटॉर्नी ने सैवन्टिस को एच-1बी संबंधी उल्लंघनों के संबंध में लगाए गए आरोपों के समाधान के लिए 3.45 लाख डॉलर के भुगतान का आदेश दिया था। सैवन्टिस, जिसका नाम पहले वैदिकसॉफ्ट था, की उपस्थिति भारत में भी है। कंपनी एच-1बी वीजा के जरिए अमेरिकी में विदेश नागरिकों को नियुक्ति दिलाने के साथ ही परामर्श, प्रौद्योगिकी और कर्मचारी मुहैया कराने जैसे कार्यों में शामिल है।

आईसीई ने सोमवार को एक बयान में कहा कि जांच में पाया गया था कि जनवरी 2014 से जून 2018 तक सैवन्टिस के कई एच-1बी वीजाधारक कर्मचारियों को नियमित अंतराल पर जरूरी वेतन का भुगतान नहीं किया गया। बयान में कहा गया कि इसके अलावा भी सैवन्टिस कई अनियमितताओं में शामिल पाई गई।

इस्पात कारखाने देश के अस्पतालों को कर रहे ऑक्सीजन की आपूर्ति: इस्पात मंत्रालय

नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि इस्पात कंपनियां कोविड-19 के खिलाफ अभियान में सहयोग करते हुए अपने-अपने संयंत्रों से देश के विभिन्न अस्पतालों को चिकित्सा ऑक्सीजन की आपूर्ति कर रही हैं। मंत्रालय ने हाल ही में एक पोर्टल शुरू किया है जिसमें कारखानों के हिसाब से ऑक्सीजन की उपलब्धता और संयंत्रों से विभिन्न राज्यों को होने वाली दैनिक आपूर्ति के बारे में सूचना दी गयी है। मंत्रालय के बयान के अनुसार जिन राज्यों को इस्पात कारखानों से ऑक्सीजन मिली हैं, वे मध्य पदेश, छत्तीसगढ़, आंध्रा प्रदेश, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, ओड़िशा, हरियाणा, गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु और महाराष्ट्र हैं। हालांकि, बयान में उन संयंत्रों और कंपनियों के नाम नहीं बताये गये हैं जो ऑक्सीजन की आपूर्ति कर रही हैं। इससे पहले, इस्पात मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने मंगलवार को ट्वीट कर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ देश में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने के उपायों और इस मामले में इस्पात कंपनियों की भूमिका पर पर चर्चा के लिये बैठक के बार में जानकारी दी थी। प्रधान ने कहा था कि इस्पात कंपनियों ने पिछले चार दिनों में 4,329 टन चिकित्सा ऑक्सीजन की आपूर्ति विभिन्न अस्पतालों को की हैं।

टाटा टेली महाराष्ट्र के शेयरधारकों ने 5,000 करोड़ रुपये तक जुटाने को मंजूरी दी

नयी दिल्ली। टाटा टेलीसर्विसेज महाराष्ट्र के शेयरधारकों ने मूल कंपनी को तरजीही शेयर जारी कर 5,000 करोड़ रुपये तक जुटाने को मंजूरी दे दी। टाटा टेलीसर्विसेज महाराष्ट्र लिमिटेड (टीटीएमएल) ने शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी। कंपनी तरजीही आधार पर गैर-संचयी विमोच्चय तरजीही शेयर-श्रृंखला 6 मूल कंपनी टाटा टेलीसर्विसेज लि. और/या टाटा संस प्राइवेट लि. को और/या पैनाटोन फिनवेस्ट लि. को जारी कर 2,500 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी मांगी थी। यह राशि एक या कुछ किस्तों में जुटाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा कंपनी ने निजी नियोजन आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी कर 2,500 करोड़ रुपये तक जुटाने की अनुमति मांगी थी। शेयर बाजार को दी गयी सूचना के अनुसार कंपनी के दोनों विशेष प्रस्तावों को शेयरधारकों ने मंजूरी दे दी। टीटीएमएल को अप्रैल-जून तिमाही में 1,070 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। यह घाटा मुख्य रूप से सरकार के 776.77 करोड़ रुपये के बकाया केभुगतान के लिये प्रावधान किये जाने से हुआ है। भुगतान के लिये प्रावधान किये जाने से हुआ है। आलोच्य तिमाही में कंपनी की कुल आय 16 प्रतिशत घटकर 247.82 करोड़ रुपये रही। इससे पहले पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी की आय 291 करोड़ रुपये रही थी।

चुनिंदा क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता से 186 अरब डॉलर के आयात पर लगेगा अंकुश: अध्ययन

मुंबई। इलेक्ट्रानिक्स, रक्षा उपकरण, औषधि समेत अन्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता से देश में 186 अरब डॉलर के आयात पर अंकुश लगेगा। भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) के एक अध्ययन में यह कहा गया है। 'आत्मनिर्भर भारत- दृष्टिकोण और ध्यान देने वाले रणनीतिक क्षेत्र' शीर्षक से जारी अध्ययन रिपोर्ट में इसके अलावा आयात प्रतिस्थापन और घरेलू उत्पादन बढ़ाने के जिन अन्य क्षेत्रों की पहचान की गयी है, उनमें मशीनरी, रसायन और संबद्ध क्षेत्र शामिल हैं। अध्ययन में वाहन कल-पुर्जे और लोहा एवं इस्पात क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है। इन क्षेत्रों में हालांकि व्यापार अधिशेष की स्थिति है, लेकिन कुछ श्रेणियों में खासकर चीन के मामले में व्यापार घाटा है। इसमें दुर्लभ खनिज पदार्थों को भी शामिल किया गया है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ये खनिज देश

को उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण के रास्ते पर ले जाने के लिहाज से महत्वपूर्ण है। इसमें कहा गया है,देश में इन क्षेत्रों की आयात में हिस्सेदारी 186 अरब डॉलर है। कुल आयात में इनकी करीब 39 प्रतिशत और गैर-तेल आयात में 50 प्रतिशत है।

एक्जिम बैंक के वेबिनार (इंटरनेट के जरिये आयोजित सेमिनार) में वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले आर्थिक मामलों के विभाग में अतिरिक्त सचिव के. राजारमण ने यह अध्ययन जारी किया। अध्ययन के अनुसार, देश में विनिर्माण क्षेत्र का हालिया प्रदर्शन जड़ता का संकेत देता है। देश में मजबूत और निजी उपभोग की बढ़ती मांग के बावजूद देश के सकल मूल्य वर्धन में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 2019-20 में घटकर 15.1 प्रतिशत हो गयी, जबकि 2010-11 में यह 18.4 प्रतिशत थी।

इसमें कहा गया घरेलू विनिर्माण क्षेत्र की इस कमजोरी के कारण बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने के लिये आयात पर निर्भरता बढ़ी है। अध्ययन में आयात पर निर्भरता कम करने के लिये क्षेत्र केंद्रित रणनीतियों की सिफारिश की गयी है।

महंगे पेट्रोल-डीजल से आम जनता को राहत, सभी शहरों की लिस्ट जारी

बिजनेस डेस्क। सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कटौती की है। कल दोनों ईंधन के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ था। सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन आयल के अनुसार देश के चार बड़े महानगरों में आज पेट्रोल की कीमत 14-16 पैसे तक कम हुई है जबकि डीजल का दाम 19-20 पैसे तक घटा है। दिल्ली में पेट्रोल के भाव 15 पैसे घटकर 81.40 रुपये प्रति लीटर रह गया जबकि डीजल 19 पैसे सस्ता हुआ और प्रति लीटर कीमत 72.37 रुपये रह गई। वाणिज्यिक नगरी मुंबई में पेट्रोल के 14 पैसे घटकर 88.07 रुपये प्रति लीटर और डीजल 19 पैसे कम होकर 78.85 रुपये प्रति लीटर रह गया। कोलकाता में पेट्रोल 14 पैसे और डीजल 19 पैसे सस्ता हुआ। पेट्रोल और डीजल की कीमत यहां क्रमशः 82.92 रुपये तथा डीजल की 75.87 रुपये प्रति लीटर रह गई। चेन्नई में भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कटौती हुई है। पेट्रोल और डीजल की कीमत यहां क्रमशः 82.92 रुपये तथा डीजल की 75.87 रुपये प्रति लीटर रह गई। चेन्नई में भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कटौती हुई है। पेट्रोल के दाम 13 पैसे घटकर 84.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 18 पैसे घटकर 77.73 84.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 18 पैसे घटकर 77.73 रुपये प्रति लीटर रह गए।

विश्व बैंक के मानव पूंजी सूचकांक 2020 में भारत का 116वां स्थान

वाशिंगटन। विश्व बैंक के वार्षिक मानव पूंजी सूचकांक के नवीनतम संस्करण में भारत का 116वां स्थान है। यह सूचकांक देशों में मानव पूंजी के प्रमुख घटकों का मूल्यांकन करता है। विश्व बैंक द्वारा बुधवार को जारी मानव पूंजी सूचकांक रिपोर्ट के अनुसार भारत का स्कोर 2018 में 0.44 से बढ़कर 2020 में 0.49 हो गया है। मानव पूंजी सूचकांक 2020 में 174 देशों के स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी आंकड़ों को शामिल किया गया। ये आंकड़े मार्च 2020 तक के हैं, जिसके बाद दुनिया भर में कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप तेजी से बढ़ा। विश्लेषण से पता चलता है कि महामारी से पहले अधिकांश देशों ने बच्चों की मानव पूंजी के निर्माण में लगातार प्रगति की और खासतौर से निम्न आय वाले देशों में ऐसा देखने को मिला। हालांकि, इस प्रगति के बावजूद एक औसत देश में शिक्षा और स्वास्थ्य मानकों के सापेक्ष कोई बच्चा अपनी संभावित मानव विकास क्षमता का केवल 56 प्रतिशत ही हासिल करने की उम्मीद कर सकता है। विश्व बैंक के समूह अध्यक्ष डेविड मालपास ने कहा, 'मानव पूंजी के निर्माण में दशक की प्रगति को महामारी ने जोखिम में डाल दिया है, जिसमें स्वास्थ्य, जीवन प्रत्याशा, स्कूल में नामांकन और कुपोषण में कमी शामिल है। महामारी का आर्थिक प्रकोप विशेष रूप से महिलाओं और सबसे वंचित परिवारों के लिए बहुत अधिक रहा है, जिसके चलते कई परिवार खाद्य असुरक्षा और गरीबी के शिकार है।' रिपोर्ट के मुताबिक लोगों की रक्षा करना और उसके लिए निवेश करना महत्वपूर्ण है क्योंकि देश एक टिकाऊ और समावेशी विकास की नींव रख रहे हैं। पिछले साल भारत ने मानव पूंजी सूचकांक को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे, जिसमें 157 देशों में भारत को 115वां स्थान दिया गया था। इस साल भारत 174 देशों में 116वें स्थान पर है। पिछले साल भारत की आपत्तियों के बारे में पूछने पर मानव विकास के लिए विश्व बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री रॉबर्टा गैटी ने संवाददाताओं को बताया कि उनकी टीम ने देशों के साथ मिलकर आंकड़ों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने का काम किया है, ताकि यह सभी के लिए बेहतर सूचकांक बन सके। उन्होंने कहा कि सूचकांक को बेहतर बनाने के लिए कुछ देशों के साथ सीधे मिलकर काम किया गया है और भारत उनमें से एक है। विश्व बैंक समूह में मानव विकास की उपाध्यक्ष ममता मूर्ति ने कहा कि मानव पूंजी सूचकांक एक आधार देता है, जिसके जरिए भारत सरकार मानव पूंजी को प्राथमिकता और समर्थन दे सकती है।

बिजली मंत्री ने एनएचपीसी, पीएफसी की सीएसआर परियोजनाओं का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली । बिजली मंत्री आर के सिंह ने बुधवार को सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनएचपीसी और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) की बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर और बिहिया में सीएसआर (कंपनी सामाजिक जिम्मेदारी) परियोजनाएं वीडियो कांफ्रेन्स के जरिये समर्पित की। बिजली मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शाहपुर प्रखंड में कुल 33 परियोजनाओं और बिहिया प्रखंड में 39 परियोजनाएं राज्य को समर्पित की गयी। परियोजनाओं में 55 स्थानों पर पीसीसी (प्लेन सीमेंट कंक्रीट) सड़क, तीन स्थानों पर सामुदायिक भवन और चबूतरा शामिल हैं। इसके अलावा सौर/एलईडी/ हाई मास्ट लाइट, खुला जिम, जल निकासी प्रणाली, छठ घाट और पुस्तकालय शामिल हैं। इन परियोजनाओं की कुल लागत 9 करोड़ रुपये है। इस मौके पर सिंह ने एनएचपीसी द्वारा ग्रामीण सड़क और विद्युतीकरण कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने यह भी कहा कि पीएफसी विभिन्न बिजली कंपनियों को हजारों करोड़ रुपये का कर्ज देकर देश के विकास में अहम भूमिका निभा रही है। सिंह ने कहा कि दोनों कंपनियां अपनी क्षमता, कार्य गुणवत्ता और समय पर पूरा करने के लिहाज से किसी भी विदेशी कंपनी से प्रतिस्पर्धी करने में सक्षम हैं।

एलआईसी ने इक्विटी परिचालन से 13,000 करोड़ रुपए का लाभ कमाया: एमडी

कोलकाता। शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के लिये प्रारम्भिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में लगे भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को अपने इक्विटी पोर्टफोलियो से अगस्त तक 13,000 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। बीमा कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। एलआईसी के प्रबंध निदेशक राज कुमार ने कहा कि बीमा कंपनी को इस साल अगस्त तक बीमा पॉलिसी के नवीनीकरण प्रीमियम से 87,300 करोड़ रुपये प्राप्त हुआ है। मर्चेन्टर चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के एक वेबिनार (इंटरनेट के जरिये आयोजित सेमिनार) में कुमार ने कहा, 'बीमा उद्योग को कोविड-19 महामारी के कारण वित्त वर्ष 2019-20 के अंतिम पखवाड़े में नये और प्रीमियम नवीनीकरण मद में करीब 45,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। हालांकि 'लॉकडाउन' में ढील के साथ स्थिति सुधरी है और बेहतर वृद्धि हासिल हुई है। हालांकि 'लॉकडाउन' में ढील के साथ स्थिति सुधरी है और बेहतर वृद्धि हासिल हुई है।' उन्होंने कहा बाजार में मार्च के निम्न स्तर से 32 प्रतिशत सुधार आ चुका है। एलआईसी को इक्विटी परिचालन से 13,000 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है और कंपनी अभी भी बाजार में 28,000 करोड़ रुपये के साथ शुद्ध निवेशक है। कुमार ने कहा कि ऑनलाइन प्रीमियम संग्रह बढ़ा है। हालांकि अब तक बड़ी बीमा पालिसियों से प्रीमियम आ रहा है, जबकि छोटी योजनाओं में प्रीमियम संग्रह घटा है। उन्होंने कहा कि बीमा कंपनी का ऋण शोधन अनुपात मार्च तक 155 प्रतिशत है जो संतोषजनक स्तर है। आईपीओ के बारे में कुमार ने कहा सरकार का इरादा इसे मार्च तक पूरा करने का है। मैं केवल इतना कह सकता हूं कि हम निर्देश के अनुसार काम करने का प्रयास करेंगे। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2020-21 के बजट में सरकार की एलआईसी में कुछ हिस्सेदारी आईपीओ के जरिये बेचने की योजना की घोषणा की थी। एलआईसी में हिस्सेदारी की बिक्री से सरकार के चालू वित्त वर्ष के विनिवेश कार्यक्रम में काफी मदद मिलने की उम्मीद है।

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या अगस्त में रही 28.32 लाख, पिछले साल से 76 प्रतिशत कम: डीजीसीए

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के मुताबिक इस साल अगस्त में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 28.32 लाख रही। यह अगस्त 2019 के मुकाबले 76 प्रतिशत कम रही है। नागर विमानन क्षेत्र नियामक डीजीसीए ने बुधवार को कहा कि 59.4 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ इंडिगो के यात्रियों की संख्या 16.82 लाख रही, जबकि 13.8 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ स्पाइसजेट से 3.91 लाख यात्रियों ने उड़ान भरी। इसके बाद एअर इंडिया, एयरएशिया इंडिया, विस्तार और गोएयर के यात्रियों की संख्या क्रमश 2.78 लाख, 1.92 लाख, 1.42 लाख और 1.33 लाख रही। पिछले महीने डीजीसीए ने जुलाई में 21.07 लाख यात्रियों के घरेलू हवाई यात्रा करने के आंकड़े जारी किए थे। डीजीसीए ने बुधवार को कहा कि अगस्त में छह में से पांच प्रमुख विमानन कंपनियों के सीटों के भरने की दर 58 से 69 प्रतिशत रही। वहीं स्पाइसजेट के सीटें भरने की दर 76 प्रतिशत रही। डीजीसीए ने कहा लॉकडाउन खुलने के बाद अगस्त में मांग बढ़ने से विमानन कंपनियों की सीटें भरने की दर सुधरी है। इसी तरह विस्तार, इंडिगो, एयरएशिया इंडिया, गोएयर और एअर इंडिया की सीटें भरने की दर क्रमश- 68.3 प्रतिशत, 65.6 प्रतिशत, 64.4 प्रतिशत, 61 प्रतिशत और 58.6 प्रतिशत रही। बेंगलुरू, दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई जैसे प्रमुख हवाईअड्डों पर समयबद्ध तरीके से उड़ान भरने के मामले में इंडिगो का प्रदर्शन अगस्त में सबसे बेहतर रहा। कंपनी की 98.5 प्रतिशत उड़ानें अपने तय समय पर संचालित हुईं। वहीं 97.6 प्रतिशत और 95.9 प्रतिशत उड़ानें समय से संचालित कर इस मामले में एयरएशिया इंडिया और विस्तार क्रमश- दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। देश में कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए 24 मार्च से लॉकडाउन किया गया।

इससे देश में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के परिचालन पर रोक रही। करीब दो महीने बाद 25 मई से घरेलू उड़ानों को दोबारा चालू किया गया। वहीं विशेष समझौतों और वंदे भारत मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन भी हो रहा है।

भारत में कारोबार विस्तार को लेकर टोयोटा ने दी सफाई, कहा- कंपनी करेगी 2000 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली। भारत में कारोबार का विस्तार नहीं करने वाले बयान पर जापान की दिग्गज ऑटो कंपनी ञ्ॅश4- शह्लड्ढ रूश्ह्लशह्म्य छ्वशह्स्न ने सफाई दी है। कंपनी ने कहा कि वह भारत में कारोबार करने व अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। टोयोटा समूह आने वाले सालों में इलेक्ट्रिफिकेशन और टेक्नॉलजी पर 2000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के मैनेजिंग डायरेक्टर मसाकाजू योशीमूरा का कहना है कि उनकी कंपनी भारत में अपने कारोबार के प्रति कटिबद्ध है। कंपनी को भारत की आर्थिक संभावनाओं पर पूरा भरोसा है और वह इसके लिए अपना योगदान देने के लिए समर्पित है। कंपनी पिछले दो दशक से भारत में कारोबार कर रही है और इस दौरान उसने ग्रो इंडिया- ग्रो विद इंडिया की भावना के अनुरूप काम किया है। उन्होंने कहा कि भारत में कंपनी का कारोबार उसकी ग्लोबल स्ट्रैटजी का हिस्सा है। कंपनी अगले कुछ वर्षों में भारत में 2000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। बता दें कि टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के वाइस चेयरमैन शेखर विश्वनाथन ने कहा थाकि कंपनी भारत में अपने कारोबार का विस्तार नहीं करेगी। इसके पीछे उन्होंने भारत में ज्यादा टैक्स बढ़ोत्तरी को जिम्मेदार ठहराया। उनके बयान को मोदी सरकार के लिए बड़ा झटका माना गया था। क्योंकि पीएम मोदी कोरोना महामारी की वजह से सुस्त पड़ी इकॉनमी में तेजी लाने के लिए विदेशी कंपनियों को लुभाने की लगातार कोशिश करते आ रहे हैं। विश्वनाथन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, यहां आने और पैसा निवेश करने के बाद हमें जो संदेश मिला वो यह है कि हमें आपकी जरूरत नहीं है। यहां कोई टैक्स रिफॉमर्स न होने की वजह से कंपनी भारतीय बाजार से नहीं निकलेगी लेकिन अपना कारोबार नहीं बढ़ाएगी। टोयोटा ने भारत में अपने कारोबार की शुरुआत 1997 में की थी। इसकी लोकल यूनिट में जापानी कंपनी की 89 फीसदी हिस्सेदारी है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन डाटा के मुताबिक, अगस्त 2020 में कंपनी की भारतीय बाजार में हिस्सेदारी सिर्फ 2.6 फीसदी रह गई है जो एक साल पहले 5 फीसदी थी।

HDFC बैंक ने शुरू की केवाईसी सेवा, अब घर बैठे खुलवाएं खाता

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के दौर में लोग बैंकिंग से संबंधित कामो के लिए बैंक न जाने की वजाए ऑनलाइन ही निपटा रहे है। ऐसे में एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए एक नई सर्विस शुरू की है, जिसके बाद लोगों को नया अकाउंट खुलवाने के लिए बैंक जाने की जरूरत नहीं है। ॥ष्ठस्नष्ट बैंक ने वीडियो केवाईसी सेवा लांच की है, जिसका पायलट प्रोजेक्ट पिछले दिनों सफलतापूर्वक पूरा किया गया। एचडीएफसी बैंक का कहना है कि उसकी वीडियो केवाईसी की सेवा एक एजाईल पॉड्स का परिणाम है। इसमें ब्रांच बैंकिंग, डिजिटल बैंकिंग एवं रिटेल एसेट की टीमें मिलकर काम करेंगी।एचडीएफसी बैंक में ग्राहकों के लिए नए उत्पादों तथा सेवाओं के लिए अनेक एजाईल पॉड्स काम कर रहे हैं। वीडियो केवाईसी की सेवा बचत एवं कारपोरेट सेलेरी अकाउंट और पर्सनल लोन अकाउंट के लिए शुरू की गई है। आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, वीडियो केवाईसी, ग्राहक की पूर्ण केवाईसी कराने के समान है। ग्राहक केवाईसी करवाने के बाद केवाईसी उत्पाद पा सकते हैं। यह सेवा सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक उपलब्ध रहेगी। सेवा के शुरू होने बाद ग्राहक अपने घर से ही चंद मिनटों में ॥ष्ठस्नष्ट बैंक मे फुल केवाईसी- ऑल बेनेफिट्स अकाउंट खुलवा सकते हैं। बैंक का कहना है कि वीडियो केवाईसी की प्रक्रिया ऑनलाईन, तीव्र व सुरक्षित है।

यह पेपरलेस, कॉन्टेक्टलेस है और बैंक के अधिकारी एवं ग्राहक के बीच जो बातचीत होती है, उसे रिकॉर्ड किया जाता है। वीडियो केवाईसी अप्लाई करने के लिए ग्राहक के पास एक स्मार्टफोन होना चाहिए। बैंक आवेदक के वक्त आधार ओटीपी-आधारित ईकेवाईसी होना जरूरी है। आवेदन के पास पैन कॉर्ड की मूल प्रति होना चाहिए।

इटालियन ओपन : जोकोविच और नडाल पहुंचे तीसरे दौर में

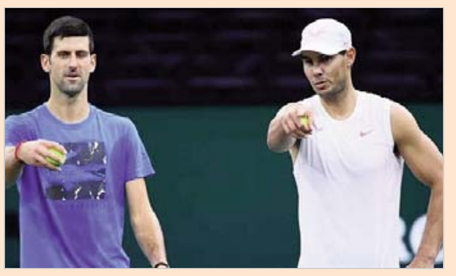

रोम । शीर्ष वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच और गत चैंपियन राफेल नडाल ने इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। जोकोविच ने टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश करने वाले साल्वाटोर कारुसो को 6-3, 6-2 से हराया जबकि छह महीनों के बाद कोर्ट पर लौटे दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल ने अपने हमवतन पाब्लो कारेनों बुस्टा को 6-1, 6-1 से हराकर शानदार वापसी की। इस बीच महिला वर्ग में टॉप सीड रोमानिया की सिमोना हालेप ने 99वें रैंक की खिलाड़ी जैस्मिन पौलिनी को 6-3,6-4 से हराया। बेलारूस की विक्टोरिया अजारेंका ने पहले दौर में अमेरिका की वीनस विलियम्स को 7-6 (7), 6-2 से हराया था। बेलारूस की विक्टोरिया अजारेंका ने पहले दौर में अमेरिका की वीनस विलियम्स को 7-6 (7), 6-2 से हराया था।

शतरंज

चैम्पियन शो डाउन रैपिड शतरंज - पेंटाला हरिकृष्णा सयुंक्त बढ़त पर

सेंट लुईस ,यूएसए ।

चैम्पियन शो डाउन शतरंज के रैपिड मुकाबलो का पहला दिन भारत के लिहाज से शानदार खबर लेकर आया और भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें अपने पर्दापण टूर्नामेंट मे ही शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले ही दिन सयुंक्त बढ़त हासिल कर ली । हरिकृष्णा नें सबसे पहले मुक़ाबले मे काले मोहरो से खेलते हुए अमेरिका के दोमिंगेज पेरेज को मात दी । कारो कान ओपेनिंग मे हरिकृष्णा नें शानदार एंडगेम तकनीक का परिचय देते हुए 51 चालों मे शानदार जीत दर्ज की । दूसरे राउंड मे उनके सामने थे फीडे के युवा खिलाड़ी अलीरेजा फिरौजा और सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए हरिकृष्णा क्यूजीडी ओपनिंग मे अच्छी स्थिति मे थे पर अलीरेजा नें अच्छा बचाव करते हुए 32 चालों मे मैच ड्रॉ करा लिया । तीसरे राउंड मे हरिकृष्णा नें दिग्गज रूसी खिलाड़ी अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक को सेमी स्लाव ओपेनिंग मे काले मोहरो से खेलते हुए 39 चालों मे मैच हारा दिया । इसके साथ ही हरिकृष्णा 5 अंक बनाकर सबसे आगे पहुँच गए । अब दूसरे दिन उनके सामने नेपोंनियची ,अरोनियन और कार्लसन जैसे बड़े नाम होंगे । वही अर्मेनिया के लेवोन अरोनियन नें भी अलीरेजा फिरौजा और अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक को मात दी तो रूस के इयान नेपोंनियची से ड्रॉ खेलते हुए सयुंक्त पहला स्थान हासिल कर लिया ।विश्व चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन नें पहले राउंड मे अमेरिका के हिकारु नाकामुरा को मात देते हुए शानदार शुरुआत की पर दूसरे राउंड मे वह खराब इंटरनेट का शिकार हो गए और रूस के नेपोंनियची से बराबर की बाजी हार गए । पहले दिन के बाद अन्य खिलाड़ियों पहले दिन के बाद अन्य खिलाड़ियों मे रूस के नेपोंनियची ,अमेरिका के वेसली सो 4 अंक ,नॉर्वे के मेगनस कार्लसन 3 अंक ,फीडे के अलीरेजा फिरौजा ,अमेरिका के हिकारु नाकामुरा ,दोमिंगेज पेरेज और जेफी क्षिओंग 2 अंक तो रूस के अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक 1 अंक पर खेल रहे है ।

वनडे सीरीज गंवाने से आहत हुए इयोन मोर्गन, बताया- आखिर कहा हुई गलती

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलिया से टी-20 सीरीज जीतने के बाद इंगलैंड को तीन मैचों की वनडे सीरीज गंवानी पड़ी। वनडे सीरीज का निर्णायक और आखिरी मैच मैनचैस्टर के मैदान पर खेला गया था जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने ग्लेन मैक्सवेल और एलेक्स कैरी के शतकों की बदौलत इंगलैंड द्वारा दिया गया 303 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। सीरीज गंवाने के बाद इंगलैंड के कप्तान इयोन मोर्गन काफी निराश दिखे। उन्होंने कहा- हम अभी भी आखिरी ओवर में खेल में थे। हमने सिर्फ एक बड़ी साझेदारी तोड़ी थी, और विकेट पर थोड़ी पकड़ थी, लेकिन राशिद ने मैच हमारे हाथों से खींच लिया। इयोन मोर्गन ने कहा- ऑस्ट्रेलिया वास्तव में अच्छा खेला। लेकिन हमारे लिए शून्य पर दो विकेट गंवाने के बाद 300+ पहुंचना शानदार रहा। क्रिस वोक्स ने अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की। हमने शुरुआत में जल्दी-जल्दी विकेट हासिल किए लेकिन उन दोनों को आउट नहीं कर पाए। हमारे ड्रेसिंग रूम में लोग कभी हार नहीं मानते, लेकिन यह एक शानदार खेल था। मैं ऑस्ट्रेलिया का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा। जब आप एक बेहतर पक्ष से हारते हैं तो आपको आपको बस अपनी टोपी को टिप करना होता है। मोर्गन बोले- सीरीज के दौरान बिलिंग्स और मालन काफी अच्छे तरीके से आगे आए। दोनों ने अवसरों को पकड़ा और भुनाया भी। अब आगे आईपीएल और काउंटी क्रिकेट है, और इस गर्मी में क्रिकेट की कमी को देखते हुए, हम वास्तव में खुश हैं कि यह दौरा हुआ।

आरसीबी के बल्लेबाज डीविलियर्स ने कहा- टीम को खिताब जिताने के लिए बल्लेबाजी के साथ बॉलिंग करने को भी तैयार

अबुधाबी । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज एबी डीविलियर्स ने कहा कि टीम को आईपीएल का खिताब जिताने के लिए वो बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी करने को भी तैयार हैं। उन्होंने टीम के कप्तान विराट कोहली को भी बता दिया है कि जरूरत पड़ने पर वे टीम के लिए गेंदबाजी करने को भी तैयार हैं। डीविलियर्स ने कहा कि इस सीजन में हमारे पास दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ी हैं। ऐसे में हम किसी भी टीम को हराने की ताकत रखते हैं। हमारे पास एरॉन फिंच, मोइन अली, एडम जांपा, जोशुआ फिलिप जैसे खिलाड़ी हैं। डीविलियर्स ने कहा कि मैं हमेशा विराट के साथ मजाक करता हूं। मैंने उनसे दो दिन पहले कहा था कि अगर टीम के हित में मेरे से गेंदबाजी कराना चाहते हो तो, मैं इसके लिए उपलब्ध हूं। देखो, मैं कभी अच्छा गेंदबाज नहीं रहा, लेकिन मुझे गेंदबाजी करने में मजा आता है। मैं पूरी क्षमता के साथ गेंदबाजी करने के लिए तैयार हूं। डीविलियर्स दाएं हाथ के मीडियम पेस गेंदबाज हैं। उन्होंने टेस्ट में 2 और वनडे में 7 विकेट लिए हैं। हाल ही में टीम के कप्तान कोहली ने कहा था कि आरसीबी के पास 2016 के बाद सबसे संतुलित टीम है। ऐसे में डीविलियर्स से गेंदबाजी कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आरसीबी के इस बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज जोशुआ फिलिप की तारीफ करते हुए कहा कि इस समर सीजन में फिलिप ने बेहतर प्रदर्शन किया है। फिलिप को खेलता देखकर बचपन की यादें ताजा हो गईं। जब मैं छोटा था, तो फिलिप की तरह खेलता था। फिलिप और मेरे में बहुत समानता है। फिलिप को बेंगलुरु ने बेस प्राइज 20 लाख रुपए पर खरीदा था।

आईपीएल 2020 : मलिंगा की कमी पर पहली बार बोले रोहित शर्मा, कही यह महत्वपूर्ण बातें

अबुधाबी ।

गत चैम्पियन मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने स्वीकार किया कि श्रीलंकाई महान तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा की कमी काफी खलेगी जिन्होंने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आई.पी.एल.) से हटने का फैसला किया है। आईपीएल के सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले 37 साल के मलिंगा ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देकर टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया। उन्होंने 170 विकेट हासिल किए हैं और 4 बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस के लिये यह करारा झटका है। गत चैम्पियन मुंबई इंडियंस की टीम 19 सितंबर को यहां सत्र के शुरूआती मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स से भिड़ेगी।रोहित ने सत्र पूर्व ऑनलाइन प्रेस कांफ्रेंस में कहा- मुझे नहीं लगता कि उनके स्थान को भरना आसान होगा। वह मुंबई के लिए मैच विजेता रहे हैं। मैं यह कई बार कह चुका हूं, जब भी हम खुद को मुश्किल में पाते तो मलिंगा हमेशा हमें इससे बाहर निकालते। रोहित ने कहा कि पिछले प्रदर्शन को देखते हुए टीम को उनकी काफी कमी खलेगी और उनकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा- उनके अनुभव की कमी खलेगी, उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिये जो किया है, वह अविश्वसनीय है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह इस साल टीम का हिस्सा नहीं हैं। रोहित ने कहा- हमारे पास जेम्स पैटिनसन, धवल कुलकर्णी, मोहसिन खान जैसे खिलाड़ी मौजूद हैं और हम मलिंगा की जगह इन्हें खिलाएंगे। लेकिन जाहिर सी बात है कि मलिंगा ने मुंबई के लिए जो कुछ किया है, उसकी तुलना नहीं की जा सकती। अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए रोहित ने कहा कि वह पारी का आगाज करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा- मैंने पिछले साल पूरे टूर्नामेंट में पारी शुरू की और मैं ऐसा करना जारी रखूंगा। साथ ही मैंने सभी विकल्प खुले रखे हैं, जो भी टीम चाहती है, वैसा करने को तैयार हूं। रोहित ने कहा- जब मैं भारत के लिए खेलता हूं, तो मेरी तरह से प्रबंधन को हमेशा यही संदेश होता है कि कोई भी दरवाजे बंद नहीं करो, सारे विकल्प खुले रखो और मैं यहां भी ऐसा ही करूंगा। भारत के सफेद गेंद की टीम के उप कप्तान को यह भी लगता है कि टीम के नतीजों में परिस्थितियों को सही तरह से पढ़ना काफी अहम भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा- हमारे लिए चुनौती यहां की परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की होगी क्योंकि शायद हममें से कोई भी आदी नहीं हैं क्योंकि हमारे ग्रुप के ज्यादातर क्रिकेटर यहां नहीं खेले हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिम्बाब्वे के खिलाफ श्रृंखला में युवाओं को मौका दें : मोहम्मद हफीज

कराची । पाकिस्तान के बल्लेबाज मोहम्मद हफीज का मानना है कि पीसीबी को जिम्बाब्वे के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में सीनियर खिलाडि़यों को आराम देकर युवाओं को आजमाना चाहिए। पाकिस्तानी टीम 20 अक्टूबर से जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। इस दौरे पर तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेले जाएंगे। हफीज ने एक टीवी चैनल से कहा- मैं श्रृंखला से आराम लेना चाहता हूं। मुझे लगता है कि यह युवाओं को मौका देने का सर्वश्रेष्ठ समय है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 क्रिकेट में पदार्पण करने वाले हैदर अली को परिपक्व बनने में अभी समय लगेगा। उन्होंने कहा-हैदर बेहद प्रतिभाशाली है और उनमें जबर्दस्त आत्मविश्वास है। उन्हें शीर्ष स्तर पर पहुंचने में अभी समय लगेगा और उन्हें अपनी तकनीक पर काम करना होगा।

मेस्सी ने दोस्ताना मैच में दो गोल दागे

बार्सीलोना । लियोनेल मेस्सी ने दूसरे दर्जे की टीम गिरोना के खिलाफ दोस्ताना मैच में दो गोल दागे जबकि कोच रोनाल्ड कोमैन ने लुईस सुआरेज और आर्टुरो विडाल को बाहर रखा । मेस्सी ने दो गोल किये और एक गोल में सहायता की। बार्सीलोना ने यह मैच 3-1 से जीता जो कोमैन के कोच बनने के बाद उसका दूसरा अभ्यास मैच है। आफ सीजन में क्लब छोडने़ की इच्छा जताने के बाद कानूनी लड़ाई से बचने के लिये क्लब के साथ ही बने रहने का फैसला लेने के बाद मेस्सी का यह पहला गोल था। बाद में बार्सीलोना ने मेस्सी और कोमैन की एक दूसरे का हाथ कसकर थामे हुए फोटो भी ट्विटर पर डाली।

मैक्सवेल के प्रदर्शन से गदगद हुए ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एरोन फिंच, कही यह बात

नई दिल्ली । इंगलैंड से टी-20 सीरीज हारने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वनडे सीरीज 2-1 से जीत ली। सीरीज के तीसरे और आखिरी निर्णायक मैच में मैक्सवेल और कैरी की शतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने जीत हासिल कर ली। अपनी टीम की जीत पर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एरोन फिंच काफी खुश थे। उन्होंने मैक्सवेल की जमकर तारीफ की। फिंच ने कहा- मैक्सी मैदान के चारों ओर खेल सकते हैं, और जिस तरह से उन्होंने उस पारी को आगे बढ़ाया वह इसे बढ़िया बनाते चले गए। मुझे लगता है कि उन्होंने एक दूसरे को दाएं / बाएं संयोजन के साथ खिलाया वह अविश्वसनीय था। हम अभी भी सुधार कर रहे हैं। हमने आज रात दबाव में बेहतरीन मौके भुनाए। इससे पहले हम श्रृंखला के दौरान अन्य समय में सामान्य रहे हैं। फिंच ने कहा- अब हमें पहल करने के लिए किसी की आवश्यकता है, और आज इन दो लोगों ने वो काम कर दिया। मुझे वास्तव में उन पर गर्व है। ईसीबी और सभी के लिए धन्यवाद जिन्होंने इस सीरीज को आयोजित किया। बता दें कि इंगलैंड ने पहले खेलते हुए ।

प्रति वर्ष 930 करोड़ कमा रहे लियोनेल मेसी

नई दिल्ली ।

बार्सीलोना क्लब के स्टार फुटबॉलर बीते दिनों सुर्खियों में आए थे जब फोर्ब्स ने उन्हें सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले फुटबॉलर के रूप में नंबर एक पर रखा था। बता दें कि मैसी को बीते साल बतौर सैलरी 930 करोड़ रुपए मिले हैं इनमें से अकेले एंडोर्समेंट से उन्होंने 24 मिलियन प्रति वर्ष पाए हैं। उनके पास सबसे बड़ा सौदा एडिडास का आजीवन अनुबंध है जिसे उन्होंने 2017 में साइन किया था। ऐसा माना जाता है कि प्रत्येक वर्ष उन्हें इससे 9 बिलियन मिलता है। इसके अलावा जर्मन खेल निर्माता ने उन्हें अपने ब्रांड का चेहरा बना दिया है। 2015 में मेसी एडिडास के उप-ब्रांड एडिडास मेसी को रिलीज करने वाले पहले फुटबॉलर थे। इसके अलावा मेसी पेप्सी, गेटोरेड, हुआवेई, बडवाइजर और मास्टरकार्ड आदि के ब्रांड हैं। पिछले साल, रोनाल्डो की तरह, मेस्सी ने फैशन की दुनिया में अपना पहला प्रवेश किया। उन्होंने अपने कपड़ों के लेबल को जारी किया, गिन्नी हिलफिगर के साथ साझेदारी की और अपनी दुकान द मेसी स्टोर लाए। इस स्टोर पर फैशनिस्ट उच्च कीमतों पर कपड़े पाते हैं। माना जाता है कि मेसी की बहन मारिया सोल इन स्टोर के पीछे प्रमुख भूमिका निभाने वाली है। 2017 में मेस्सी एक होटल व्यवसायी भी बन गए थे। उन्होंने 26 मिलियन में बार्सिलोना के पास एक तटीय रिसॉर्ट में एमआईएम स्टिग्ज को खरीदा था। उनके इस रिसॉर्ट की छत पर रेस्तरां, बार और पूल क्षेत्र से समुद्र के मनोरम दृश्यों दिखते हैं। उनके चार सितारा होटल में 77 कमरे हैं जिनकी कीमत लगभग 120 पाउंड प्रति रात है। हाल के वर्षों में उन्होंने अपने रियल एस्टेट रोस्टर में मेजरका और इबीसा में रिसॉर्ट्स जोड़े हैं। मेस्सी का वेतन प्रति वर्ष 71 मिलियन पाऊंड से शुरू होता है, लेकिन इसमें ट्रॉफी जीतने के लिए बोनस शामिल नहीं है। अगर वह 2021 तक बार्सिलोना के लिए 60 प्रतिशत मैच भी खेल लेते तो वह 98 मिलियन पाऊंड के पास कमा सकते थे। अगर वह एक और बैलन डी'ओर जीत लेते तो वह 110 मिलियन पाऊंड प्रति वर्ष भी कमा सकते थे।

बेन स्टोक्स की कमी खलेगी, तेज गेंदबाजी पक्ष है औसत

नई दिल्ली । बेन स्टोक्स पर काफी हद तक निर्भर राजस्थान रॉयल्स को इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में इंग्लैंड के इस स्टार हरफनमौला की कमी बुरी तरह खलेगी। रॉयल्स का प्रदर्शन इंग्लैंड के 3 खिलाडि़यों स्टोक्स, जोस बटलर और जोफ्रा आर्चर के साथ आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ पर निर्भर करता है। स्टोक्स अपने पिता की बीमारी के कारण क्रिकेट से दूर हैं और आईपीएल के पहले हाफ में नजर नहीं आएंगे। इससे टीम का संतुलन निश्चित तौर पर बिगड़ेगा। रॉयल्स को प्लेआफ में ले जाने की जिम्मेदारी विदेशी खिलाडि़यों पर ही है। बटलर और आर्चर दूसरे मैच से उपलब्ध रहेंगे और दोनों जबर्दस्त फार्म में है। स्मिथ हालांकि इंग्लैंड दौरे पर अभ्यास के दौरान कनकशन चोट का शिकार हो गए थे। दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर और आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज एंड्रयू टाय से भी उम्मीदें होंगी। भारतीय खिलाडि़यों में संजू सैमसन प्रतिभाशाली हैं लेकिन किसी भी सत्र में लगातार पांच मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। एक समय आईपीएल के स्टार खिलाडि़यों में रहे रॉबिन उथप्पा लंबे समय से फार्म में नहीं है। जयदेव उनादकट महंगे दामों में खरीदे जाने के बावजूद अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके हैं। रियान पराग और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाडि़यों को अभी खुद को साबित करना है। गेंदबाजी में आर्चर को छोड़कर कोई धारदार नजर नहीं आता। स्टीव स्मिथ (कप्तान), जोस बटलर, रॉबिन उथप्पा, संजू सैमसन, बेन स्टोक्स, जोफ्रा आर्चर, यशस्वी जायसवाल, मनन वोहरा, कार्तिक त्यागी, आकाश सिंह, ओशेन थॉमस, एंड्रयू टाय, डेविड मिलर, टॉम कुरेन, अनिरूद्ध जोशी, यशस्वी जायसवाल, मनन वोहरा, कार्तिक त्यागी, आकाश सिंह, ओशेन थॉमस, एंड्रयू टाय, डेविड मिलर, टॉम कुरेन, अनिरूद्ध जोशी, श्रेयस गोपाल,रियान पराग, वरूण आरोन, रियान पराग, वरूण आरोन, शशांक सिंह, अनुज रावत, महिपाल लोमरोर, मयंक मार्कंडेय।

आरसीबी के पूर्व कोच रे जेनिंग्स ने कहा- कोहली मेरी बात नहीं सुनते थे

नई दिल्ली । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कोच रे जेनिंग्स ने टीम के कप्तान विराट कोहली पर आरोप लगाया है कि वे उनकी बात नहीं सुनते थे और गलत खिलाड़ियों को सपोर्ट करते थे। इसी कारण से टीम एक बार भी आईपीएल की चैम्पियन नहीं बनी। जबकि उनकी कप्तानी में टीम इंडिया ने टेस्ट क्रिकेट में 60 फीसदी मैच जीते। जेनिंग्स ने एक क्रिकेट वेबसाइट को दिए इंटरव्यू में यह बातें कहीं। जेनिंग्स 2009 से 2014 तक आरसीबी के कोच रहे थे। उनकी कोचिंग में ही टीम दो बार 2009 और 2011 में फाइनल खेली। लेकिन दोनों मौकों पर खिताब नहीं जीत पाई। विराट को 2013 में ही टीम का फुलटाइम कप्तान बनाया गया था। जेनिंग्स ने कहा कि जब मैं टीम का कोच था। उस समय टीम में 20-25 खिलाड़ी होते थे। बतौर कोच मेरी जिम्मेदारी थी कि मैं सबका ध्यान रखूं। लेकिन विराट का अपना अलग प्लान होता था। वो कई बार टीम में अकेले दिखते थे, क्योंकि वो गलत खिलाड़ियों को सपोर्ट करते थे। मैं चाहता था कुछ गेंदबाज किसी खास हालात में गेंदबाजी करें, लेकिन ऐसा नहीं होता था। आरसीबी के पूर्व कोच ने आगे कहा कि आईपीएल इंटरनेशनल क्रिकेट से बहुत अलग है। 6 हफ्ते में कुछ खिलाड़ी फॉर्म में आ सकते हैं, जबकि कुछ खिलाड़ियों का फॉर्म खराब हो सकता है। ऐसे में किसी ऐसे प्लेयर को टीम में रहना पड़ेगा, जो लगातार अच्छा खेले।

रैना के बावजूद बेहद मजबूत है धोनी के धुरंधर, यह विभाग है खास

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके महेंद्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स कुछ बड़े खिलाडि़यों के नाम वापिस लेने और टीम में कोरोना वायरस संक्रमण के शुरूआती मामलों के बावजूद इंडियन प्रीमियर लीग में अंतिम चार में पहुंचने के सबसे प्रबल दावेदारों में से होगी। चेन्नई का सामना शनिवार को अबुधाबी में पहले मैच में गत चैम्पियन मुंबई इंडियंस से होगा। यहां पहुंचने के साथ ही चेन्नई सुपर किंग्स के दल में 13 सदस्य कोरोना पॉजिटिव निकले। इसके बाद सुरेश रैना और हरभजन सिंह जैसे सीनियर खिलाडि़यों ने निजी कारणों से नाम वापिस ले लिया। वैसे टूर्नामेंट में फोकस मैदान पर धोनी की वापसी पर रहेगा जो अंतरराष्ट्रीय कैरियर पर विराम लगाने के 34 दिन बाद मैदान पर दिखेंगे। टीम को तीन बार खिताब दिला चुके और आठ फाइनल में पहुंचा चुके चेन्नई के अपने 'थाला' (लीडर) से बेहतर आईपीएल को कौन समझा सकता है। अपने सीमित संसाधनों का सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल करने का हुनर उन्हें बखूबी आता है। धोनी इस बार अपने सबसे विश्वस्त सिपहसालार रैना के बिना उतरेंगे और 'चेपॉक के अपने गढ़' से मीलों दूर मुकाबले खेलने हैं। दस सत्र के जमे हुए बल्लेबाजी क्रम में बदलाव इतना आसान नहीं होगा जिसमें रैना तीसरे नंबर के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी रहे हैं। पिछले सत्र को छोड़कर रैना ने हमेशा उम्दा प्रदर्शन किया है। पिछली बार रैना के खराब फार्म के बावजूद चेन्नई फाइनल में पहुंची तो इसका श्रेय धोनी की कुशल कप्तानी को गया। चेन्नई को भले ही 'बूढ़ों की फौज' कहा जाए लेकिन इस टीम ने साबित कर दिया है कि फार्म और प्रतिभा उम्र के मोहताज नहीं होते। अंबाती रायुडू और शेन वाटसन पारी का आगाज कर सकते हैं जबकि फाफ डु प्लेसी तीसरे नंबर पर उतर सकते हैं। धोनी खुद चौथे नंबर पर आ सकते हैं। केदार जाधव पांचवें नंबर पर होंगे। ड्वेन ब्रावो छठे और रविंद्र जडेजा सातवें नंबर पर खेलेंगे। केदार जाधव पांचवें नंबर पर होंगे। ड्वेन ब्रावो छठे और रविंद्र जडेजा सातवें नंबर पर खेलेंगे। चेन्नई के पास तीन विशेषज्ञ स्पिनर मिशेल सेंटनर, पीयूष चावला और जडेजा हैं। तीनों स्पिनर अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं। लुंगी एंगिडि और दीपक चाहर के अलावा कोरोना वायरस संक्रमण से उबर चुके चाहर के फिट नहीं होने पर शारदुल ठाकुर खेल सकते हैं। इसी तरह इमरान ताहिर और जोश हेजलवुड भी उपलब्ध हैं। महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), मुरली विजय, अंबाती रायुडू, फाफ डु प्लेसी, शेन वाटसन, केदार जाधव, ड्वेन ब्रावो, रविंद्र जडेजा, लुंगी एंगिडि, दीपक चाहर, पीयूष चावला, इमरान ताहिर, मिशेल सेंटनर, जोश हेजलवुड, शारदुल ठाकुर, सैम कुरेन, एन जगदीशन, के एम आसिफ, मोनू कुमार, आर साइ किशोर, रूतुराज गायकवाड़, कर्ण शर्मा।

कोहली पहले और रोहित दूसरे स्थान पर बरकरार, बेयरस्टो टॉप-10 बल्लेबाजों में शामिल

नई दिल्ली । भारतीय कप्तान विराट कोहली आईसीसी वनडे रैंकिंग में पहले और रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर बरकरार हैं। कोहली के 871 और रोहित के 855 रेटिंग पॉइंट्स हैं। टॉप-10 बल्लेबाजों में सिर्फ यही दो भारतीय शामिल हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में शतक लगाने के कारण दसवें स्थान पर आ गए। उन्हें तीन स्थान का फायदा हुआ। वनडे के टॉप-10 गेंदबाजों की बात करें, तो न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट पहले स्थान पर हैं। उनके खाते में 722 रेटिंग पॉइंट्स हैं। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दूसरे स्थान पर हैं। उनके 719 रेटिंग पॉइंट्स हैं। टॉप-10 में बुमराह के अलावा कोई और भारतीय शामिल नहीं है। बेयरस्टो ने तीन वनडे की सीरीज में 196 रन बनाए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में 112 गेंद पर 126 रन बनाए थे। इससे पहले, उन्होंने 2018 में करियर की बेस्ट 9वीं रैंकिंग हासिल की थी। वे करियर बेस्ट 777 रेटिंग पॉइंट्स से सिर्फ 23 अंक पीछे हैं। ग्लेन मैक्सवेल और एलेक्स कैरी को भी तीसरे वनडे में शतक लगाने का फायदा मिला है। उनकी रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। मैक्सवेल पांच स्थान की छलांग लगाकर 26वें पायदान पर आ गए। आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग भी 26वें स्थान पर ही हैं। कैरी ने करियर की बेस्ट 28वीं रैंकिंग हासिल की। इंग्लैंड के क्रिस वोक्स ऑलराउंडर्स की वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में 89 रन बनाने के साथ ही 6 विकेट भी हासिल किए थे। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी 301 अंकों के साथ पहले पायदान पर हैं। आईसीसी वनडे चैम्पियनशिप सुपर लीग में इंग्लैंड 123 अंकों के साथ पहले स्थान पर है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रियंका ने रोजगार के मुद्दे पर युवाओं से की बात, बोलीं- कट्रैक्ट पॉलिसी के खिलाफ उतरेंगे सड़क पर

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रोजगार के मुद्दे पर गुरुवार को युवाओं के साथ डिजिटल संवाद किया और कहा कि उत्तर प्रदेश में संविदा नीति के खिलाफ सड़क पर उतरकर आवाज उठाई जाएगी। पार्टी की ओर से जारी बयान के मुताबिक प्रियंका ने 2016 की शिक्षक भर्ती के 12460 अभ्यर्थियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। यह बातचीत प्रियंका गांधी द्वारा हाल ही में शुरू किए गए युवाओं के साथ रोजगार पर संवाद का हिस्सा है। इस संवाद के दौरान प्रियंका ने कहा कि मेरा मानना है कि युवाओं की बात सुननी पड़ेगी और उनके मुद्दों के लिए हमें सड़क से लेकर सदन तक इन मुद्दों पर लड़ना होगा। कांग्रेस पार्टी इसमें पीछे नहीं हटने वाली। कांग्रेस का दावा है कि 2016 की शिक्षक भर्ती विज्ञापन में 51 जिलों में पद थे लेकिन 24 जिलों में पद शून्य थे। विगत 3 साल से शून्य जनपद वाले अभ्यर्थी कोर्ट- कचहरी के चक्कर काट रहे हैं। पार्टी के अनुसार, अभ्यर्थियों ने प्रियंका गांधी को अपनी पीड़ा से अवगत कराया। प्रियंका ने वादा किया वह हरसंभव मदद करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह हमारे लिए राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं का मसला है। यह न्याय का सवाल है। प्रियंका ने उत्तर प्रदेश में समूह ख और ग की नौकरियों को पांच साल की संविदा के प्रावधान संबंधी प्रस्ताव को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह काला कानून है। इसके खिलाफ सड़क पर उतरा जाएगा। हम ऐसी नीति लाएंगे जिसमें युवाओं का अपमान करने वाला संविदा कानून नहीं बल्कि सम्मान के कानून हों।

केदारनाथ आपदा- लापता लोगों के कंकाल ढूंढ रहीं पुलिस की 10 टीमें, 4 दिन चलेगा अभियान

नेशनल डेस्क।

जून 2013 में उत्तराखंड में आई प्राकृतिक आपदा के जख्म आज भी लोगों के जेहन में ताजा हैं। केदारनाथ में आई आपदा में हजारों लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी। इस हादसे में कई लोग लापता हो गए थे जिनका आज तक कुछ पता नहीं चल पाया है। वहीं उत्तराखंड पुलिस ने अब उन्हीं लापता लोगों के कंकाल ढूंढने के लिए एक अभियान शुरू किया है। उत्तराखंड पुलिस ने जून 2013 की प्राकृतिक आपदा में लापता व्यक्तियों की 'खोज% में बुधवार को 10 टीमें केदारनाथ के लिए रवाना कर दीं। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (अपराध एवं कानून व्यवस्था) अशोक कुमार ने बताया कि ये 10 टीमें अगले चार दिन तक अपना खोज अभियान जारी रखेंगी और अलग-अलग दिशाओं में जाकर उन लोगों का पता लगाने का प्रयास करेंगी जो अभी तक लापता हैं। बता दें कि यह अभियान उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश पर शुरू किया गया है जिसने हाल ही में पुलिस को इस बाबत करवाई करने के निर्देश दिए थे। सोनप्रयाग में रुद्रप्रयाग जिले के पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने इन 10 टीमों को सामान्य निर्देश देते हुए गंतव्य के लिए रवाना किया। ये सभी टीमें गौरीकुंड से अलग-अलग दिशाओं में बढ़ते हुए खोज अभियान में जुट गईं। पुलिस उपनिरीक्षक की अगुवाई में अभियान पर रवाना हुई प्रत्येक टीम में छह सदस्य हैं जिनमें से दो-दो पुलिस और राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के कर्मी तथा एक फार्मासिस्ट है जो कोई भी साक्ष्य मिलने पर मौके पर ही डीएनए नमूना लेगा। जो कोई भी साक्ष्य मिलने पर मौके पर ही डीएनए नमूना लेगा। ये टीमें गूगल मैप या की सहायता से अपनी निर्धारित दिशाओं में लापता लोगों की तलाश करेंगी। इन टीमों के लिए रोजमर्रा का जरूरी सामान जैसे स्लीपिंग बैग, टेंट और जानकारी का आदान-प्रदान करने के लिए वायरलैस उपकरण प्रदान किए गए हैं।

इस अभियान की वीडियोग्राफी भी की जाएगी। पुलिस ने पिछले सात सालों में लापता लोगों की तलाश में ऐसे कई अभियान चलाए हैं जिनमें कुछ लोगों के हाथ-पैर की हड्डियां और कंकाल बरामद हुए थे। पुलिस ने उनकी डीएनए जांच के निष्कर्ष उनके घरवालों तक पहुंचाए थे।

बांग्लादेश की भारत से अपील, फिर से शुरू करें प्याज निर्यात...जल्द हटाया जाए बैन

नेशनल डेस्क। बांग्लादेश ने किसी सूचना के बिना प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के भारत के फैसले पर आधिकारिक रूप से अपनी 'गहरी चिंता जताई है। भारत सरकार ने सोमवार को घरेलू बाजार में प्याज की उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए प्याज की सभी किस्मों के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया था। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने ढाका स्थित भारत के उच्चायोग के माध्यम से भेजे पत्र में कहा कि 14 सितंबर 2020 को भारत सरकार द्वारा अचानक की गई घोषणा से इस संबंध में दो मित्र देशों के बीच 2019 और 2020 में हुई चर्चाओं और इस दौरान बनी आपसी समझ को कमजोर किया गया है। बांग्लादेश की मीडिया को यह पत्र बुधवार की देर शाम उपलब्ध कराया गया। पत्र में प्याज के निर्यात को फिर से शुरू करने के लिए आवश्यक उपाय करने का अनुरोध किया गया है। पत्र में कहा गया कि भारत के अचानक इस संबंध में घोषणा करने से बांग्लादेश के बाजार में आवश्यक खाद्य पदार्थों की आपूर्ति प्रभावित होगी। पत्र के मुताबिक ढाका में 15-16 जनवरी, 2020 को हुई दोनों देशों के वाणिज्य मंत्रालयों की एक सचिव-स्तरीय बैठक में बांग्लादेश ने भारत से आवश्यक खाद्य वस्तुओं के निर्यात प्रतिबंध नहीं लगाने का अनुरोध किया गया था। बांग्लादेश ने इस तरह के प्रतिबंध जरूरी होने पर भारत को समय से पहले उसे सूचित करने का अनुरोध भी किया है।

छह महीने से वतन लौटने का इंतजार कर रहा निज़ाम, लॉकडाउन से पहले गया था पाकिस्तान

नेशनल डेस्क। राजस्थान के सीमांत बाडमेर जिले के सरहदी तामलियार गांव निवासी निजाम हज़ाम वैश्विक महामारी कोरोना के चलते पिछले छह महीनों से पाकिस्तान में फंसा हुआ है। निजाम लॉकडाउन से पहले अपने रिश्तेदारों से मिलने वीजा पर पाकिस्तान गया था। इसी दौरान कोविड19 के चलते लॉकडाउन के साथ अंतराष्ट्रीय रेल और वायु मार्ग बंद हो गए और वह पाकिस्तान में ही फंस गया। लम्बे समय से परिजनों का निजाम से संपर्क नहीं हुआ। गत दिनों निज़ाम ने परिजनों से संपर्क करने पर तामलियार युवा नेता सफी खान सम्मा ने निजाम के लिए आवाज़ बुलंद करने का जिम्मा उठाया। सम्मा ने पूर्व सांसद कर्नल मानवेन्द्र सिंह से निजाम को भारत लाने की गुहार की। इस पर सिंह ने निजाम को शीघ्र भारत लाने का आश्वासन दिया है। सिंह ने बताया कि उन्हें सम्मा ने निजाम की पाकिस्तान में फंसे होने की जानकारी दी है और निजाम के दस्तावेज मंगवा का कार्रवाई फंसे होने की जानकारी दी है और निजाम के दस्तावेज मंगवा का कार्रवाई आरम्भ कराई गई है। उम्मीद है निजाम जल्द अपने परिजनों से मिल सकेगा।

ईडी ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर शाह की पत्नी के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया

नयी दिल्ली।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कश्मीरी अलगाववादी नेता शब्बीर शाह की पत्नी बिलकिस शाह को एक मामले में धन शोधन का आरोपी बनाया है। साल 2005 का धनशोधन का यह मामला आतंकवादी गतिविधियों का कथित रूप से वित्त पोषण करने को लेकर शब्बीर शाह और कथित हवाला डीलर मोहम्मद असलम वानी से जुड़ा है। ईडी ने अपने पूरक आरोप पत्र में बिलकिस को आरोपी बनाया है। यह आरोप पत्र बुधवार को दायर किया गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा 10 नवंबर को मामले पर सुनवाई करेंगे। विशेष लोक अभियोजक एन के माट्टा और राजीव अवस्थी के जरिए दायर इस आरोप पत्र में ईडी ने कहा है कि बिलकिस के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। आरोप पत्र धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की धारा तीन और चार के तहत दायर किया गया है। ईडी ने पहले शब्बीर शाह और वानी के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि शब्बीर शाह ने दिल्ली से हवाला का पैसा लेकर श्रीनगर में उसे देने के लिए वानी को कमीशन के आधार पर उसके लिए काम करने को कहा था। यह मामला अगस्त 2005 का है जिसमें दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने वानी को गिरफ्तार किया था। वानी ने तब दावा किया था कि उसने शाह को 2.25 करोड़ रुपये दिए हैं, जिसके बाद ईडी ने 2009 में दोनों के खिलाफ पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया था।

देश में कोविड मृत्यु दर एक फीसदी से भी नीचे लाने का लक्ष्य: हर्षवर्द्धन

नई दिल्ली।

स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में कोविड-19 से होने वाली मौत की दर फिलहाल, दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सबसे कम (1.64) फीसदी है और सरकार का लक्ष्य इस मृत्यु दर को घटा कर एक फीसदी से भी कम करने का है। कोरोना वायरस महामारी पर राज्यसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्द्धन ने कहा कि भारत में कोविड मरीजों के स्वस्थ होने की दर 78 से 79 फीसदी है। उन्होंने कहा कि भारत कोविड-19 से स्वस्थ होने की उच्च दर वाले गिने-चुने देशों में शामिल है। हर्षवर्द्धन ने कहा कि भले ही कोरोना वायरस के कुल मामलों की संख्या भले अधिक हो लेकिन अस्पतालों में इलाज करा रहे कोविड मरीजों की संख्या 20 फीसदी से कम है। उन्होंने कहा कि भारत में कोविड महामारी की वजह से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या यूरोप के कई देशों की तुलना में कम है। मंत्री ने कहा कि सरकार भारत में अमेरिका की तुलना में अधिक कोविड जांच करने पर विचार कर रही है।

पुलिस की गाड़ी में चुनाव प्रचार करके फस गए सिंधिया, चुनाव आयोग ने मांगा जवाब

भोपाल।

उपचुनाव से पहले चुनाव प्रचार में जुटे ज्योतिरादित्य सिंधिया की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। राज्यसभा चुनाव में कथित रूप से जानकारी छिपाने का मामला अभी सुलझा भी नहीं था कि ज्योतिरादित्य सिंधिया अब दूसरे विवाद से घिर गए हैं। अब सिंधिया को चुनाव आयोग ने नोटिस भेजा है। सिंधिया पर आरोप है कि पिछले दिनों उन्होंने ग्वालियर-चंबल में प्रचार के लिए पुलिस की गाड़ी का इस्तेमाल किया था। इसी मामले को लेकर महाराष्ट्र के एक व्यक्ति की शिकायत पर चुनाव आयोग ने गृह विभाग से जवाब मांगा है। दरअसल, मध्य प्रदेश में 28 सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर चंबल में चुनाव प्रचार की कमान संभाली है। इस दौरान एक फोटो वायरल हुआ था जिसमें सिंधिया पुलिस की गाड़ी में चुनाव प्रचार करते दिखाई दे रहे हैं। इसे लेकर कांग्रेस ने भी सवाल उठाए थे। बीजेपी नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया को लेकर महाराष्ट्र के साकेत गोखले ने शिकायत की है। गोखले की शिकायत पर एमपी के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने राज्य के गृह विभाग से 3 दिन में जांच रिपोर्ट मांगी है। चुनाव आयोग के अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र से 13 और 14 सितंबर को ईमेल के जरिए शिकायत मिली थी कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उपचुनाव के लिए पुलिस वाहन का उपयोग किया है। शिकायतकर्ता ने इस मेल में प्रमाण के तौर पर फोटो भी सेंड की है। आयोग ने इस शिकायत पर कार्रवाई करते हुए गृह विभाग से 3 दिनों के अंदर जांच रिपोर्ट मांगी है।

महाराष्ट्र की आलोचना पर भड़के राउत, पूछा- क्या भाभीजी के पापड़ खाकर ठीक हुए कोरोना के मरीज?

नेशनल डेस्क।

शिवसेना ने कोरोना संक्रमण को लेकर राज्यसभा में महाराष्ट्र सरकार की गयी आलोचना का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि इस महामारी के नियंत्रण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिशा निर्देशों का पालन किया जा रहा है। शिवसेना के संजय राउत ने कोविड 19 महामारी पर हो रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि देश प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कोरोना संकट का मुकाबला कर रहा है। राउत ने कहा कि कोरोना महामारी को लेकर पूरे विश्व में चिन्ता प्रकट की जा रही है। किसी ने भी इस तरह की बीमारी के संबंध में सोचा नहीं था। जिस परिवार में कोरोना होता है वही इसके असली स्वरुप को जानता है। उन्होंने कहा कि जो लोग यह कहते हैं कि कोरोना को लेकर महाराष्ट्र सरकार ने कुछ नहीं किया उनसे वह पूछना चाहते हैं कि मुंबई में इस महामारी पर कैसे नियंत्रण किया गया। राउत ने इस दौरान केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के भाभीजी के पापड़ पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि मैं सदस्यों से पूछना चाहता हूं कि इतने सारे लोग आखिर कोरोना से रिकवर कैसे हुए? क्या लोग भाभीजी के पापड़ खाकर ठीक हो गए? शिवसेना नेता ने कहा कि यह कोई राजनीतिक लड़ाई नहीं है बल्कि यह लोगों की जिंदगी बचाने की लड़ाई है। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता जब आम लोगों से मिलते हैं तो वे कोरोना संक्रमित हो जाते हैं। इसमें राजनीति उचित नहीं है। दरअसल राउत कोरोना वायरस के मुद्दे पर स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्द्धन के बयान पर बहस के दौरान बोल रहे थे। वहीं इससे पहले शिवसेना ने सरकार से मांग की कि वह लाभकारी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट का निजीकरण नहीं करे। राउत ने कहा कि नोटबंदी व कोविड–19 महामारी के कारण देश की आर्थिक व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। हमारी जीडीपी और हमारा रिजर्व बैंक भी खस्ताहाल हो गया है। जेएनपीटी एक लाभकारी उपक्रम है और सरकार को 30 फीसदी से अधिक मुनाफा देता है। सरकार इसके निजीकरण पर विचार कर रही है। सरकार इसके निजीकरण पर विचार कर रही है। सरकार इसके निजीकरण पर विचार कर रही है। इसके निजीकरण का मतलब राष्ट्रीय संपत्ति को गहरा नुकसान होना है। युद्ध के दौरान नौसेना के बाद इस बंदरगाह ने साजोसामान की ढुलाई में भी अहम भूमिका निभाई है।

बेहतर न्यायसंगत दुनिया की चाह रखते हैं अधिकांश लोग: डब्ल्यूईएफ सर्वेक्षण

नई दिल्ली। अधिकांश लोग चाहते हैं कि दुनिया में ऐसा बड़ा बदलाव चाहते हैं जिससे की दुनिया अधिक चिरस्थायी और न्यायसंगत बन सके। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के एक वैश्विक सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आई है। डब्ल्यूईएफ और इप्सोस के इस सर्वेक्षण में 21 हजार से अधिक लोग शामिल हुए। सर्वेक्षण में शामिल लोगों में से 72 प्रतिशत ने कहा कि वे कोविड-19 महामारी से पहले की स्थिति में वापस लौटने के बजाय अपने व्यक्तिगत जीवन में व्यापक बदलाव की चाह रखते हैं। सर्वेक्षण में भारत समेत 28 देशों के लोग शामिल हुए। इनमें से करीब 90 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे जीवन व दुनिया में बदलाव के लिए तैयार हैं। सर्वेक्षण में शामिल लोगों में से 86 प्रतिशत ने दुनिया के कोविड-19 महामारी से पहले की स्थिति की तुलना में अधिक चिरस्थायी व न्यायसंगत दुनिया की इच्छा व्यक्त की। मंच ने बुधवार को सर्वेक्षण की रिपोर्ट का हवाला देते हुए जारी एक विज्ञप्ति में कहा, ''सभी देशों में, जो लोग ऐसी इच्छा रखते हैं, उनकी संख्या ऐसी इच्छा नहीं रखने वालों से काफी अधिक (दक्षिण कोरिया को छोड़ सभी अन्य देशों में 50 प्रतिशत से अधिक) रही। सर्वेक्षण में भारत के कुल 500 प्रतिभागी शामिल हुए। इनमें से 87 प्रतिशत ने दुनिया के कोविड-19 महामारी से पहले की स्थिति की तुलना में अधिक दीर्घकालिक व न्यायसंगत दुनिया की इच्छा व्यक्त की। इनमें से 85 प्रतिशत ने कोविड-19 महामारी से पहले की स्थिति में वापस लौटने के बजाय अपने व्यक्तिगत जीवन में व्यापक बदलाव की चाह प्रकट की।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में एक और हिंदू डॉक्टर की चाकूओं से गोदकर हत्या

पेशावर। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदू सुरक्षित नहीं हैं। ताजा मामले में पाकिस्तान के सिंध प्रांत में में एक और हिंदू डॉक्टर का बेरहमी से कत्ल कर दिया गया । इस डॉक्टर का नाम लाल चंद बागरी बताया जा रहा है। बागरी की उनके घर में घुसकर हत्या की गई। जानकारी मुताबिक कुछ अनजान लोग उनके घर में घुसे और चाकू से कई वार करने के बाद उनका गला रेत दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सांसद रमेश कुमार वंकवानी ने इस घटना की पुष्टि की है। शरीर पर चाकू के कई वार देखकर ऐसा शक जताया जा रहा है कि ये मामला निजी रंजिश या फिर रिलीजियस किलिंग से जुड़ा भी हो सकता है। बता दें कि एक साल में किसी हिंदू डॉक्टर की पाकिस्तान में यह दूसरी हत्या है। पिछले साल कराची के करीब लरकाना के गर्ल्स होस्टल में डॉक्टर नम्रता चंदानी का शव मिला था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से साफ हो गया था कि नम्रता की रेप के बाद हत्या की गई थी।

दिल्ली से हबीबगंज के बीच जल्द शुरु होगी ट्रेन, बढ़ सकता है 10 फिसदी किराया

भोपाल। भोपाल रेल मंडल की तरफ से जल्द ही शताब्दी एक्सप्रेस शुरु करने की तैयारी है। यह ट्रेन नई दिल्ली से हबीबगंज के बीच अक्टूबर के पहले सप्ताह से चलाई जा सकती है। इस संबंध में रेल मंत्रालय सितंबर के आखिरी सप्ताह तक घोषणा कर सकता है। रेल मंत्रालय से हरी झंडी मिलने के बाद इसका संचालन शुरू कर दिया जाएगा। जानकारी के अनुसार, शताब्दी में सफर करने वाले यात्रियों को पहले के अपेक्षा 10 फीसदी ज्यादा किराया देना पड़ सकता है। हालांकि किराए में बढ़ौतरी को लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। आपको बता दें कि रेल मंत्रालय ने बुधवार को 40 क्लोन ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। इसलिए दिल्ली या निजामुद्दीन से सिकंदराबाद और बेंगलुरू की तरफ जाने वाली ट्रेनों के हाल्ट भोपाल में दिए जाने की चर्चा है। हालांकि शेड्यूल जारी होने के बाद ही अंतिम निर्णय सामने आएगा।

100 साल की महिला ने दी कोरोना वायरस को मात

गुवाहाटी। गुवाहाटी में सौ वर्ष की एक जिंदादिल महिला ने कोविड-19 को मात दे दी। अधिक आयु की चुनौती बड़ी थी लेकिन चिकित्सकों का कहना है कि महिला ने अपनी सकारात्मकता के बल पर यह जंग जीती। कोविड-19 की असम की सबसे उम्रदराज मरीज माई हांडिक को बुधवार को गुवाहाटी के महेंद्र मोहन चौधरी अस्पताल से छुट्टी मिल गई। मदर्स ओल्ड एज होम में रहने वाली हांडिक को कोरोना वायरस से संक्रमित होने का पता चलने के बाद दस दिन पहले ही अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। अस्पताल से छुट्टी मिलने से पहले उनका इलाज करने वाले चिकित्सकों और नर्सों ने जश्न मनाया जिसमें हांडिक ने कई असमिया गीत गाए। हांडिक ने कहा कि चिकित्सकों और नर्सों ने उनका बहुत खयाल रखा। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री हिमंत बिस्व सरमा की भी सराहना की। मदर्स ओल्ड एज होम में रहने वाले 12 लोग कोविड-19 से पीड़ित पाए गए थे, जिनमें से पांच को अस्पताल से छुट्टी मिल गई।

कंगना का ट्वीट- मैं एक क्षत्राणी हूं, सर कटा सकती हूं झुका नहीं सकती

नेशनल डेस्क। खुलकर अपनी बात रखने वाली अभिनेत्री कंगना रनौत ने एक बार फिर अपने आलोचकों को जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्र के सम्मान के लिए हमेशा आवाज़ बुलंद करती रहेंगी। माना जा रहा है कि उनका इशारा उद्धव सरकार की ओर है। कंगना ने वीरवार को ट्वीट कर लिखा कि मैं एक क्षत्राणी हूं। सर कटा सकती हूं, लेकिन सर झुका सकती नहीं! राष्ट्र के सम्मान के लिए हमेशा आवाज़ बुलंद करती रहूंगी। मान, सम्मान, स्वाभिमान के साथ जी हूं और गर्व से राष्ट्रवादी बनकर जीती रहूंगी! सिद्धांत के साथ नहीं कभी समझौता की हूं नहीं कभी करूंगी! जय हिंद । वहीं इससे पहले कंगना ने संसद में मशहूर अदाकारा एवं सांसद जया बच्चन द्वारा की गयी 'थाली संबंधी टिप्पणी पर को कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने दावा किया कि उन्हें तो थाली में सजाकर कुछ नहीं मिला। रनौत ने कहा था कि किस थाली की बात आप कर रही हैं, जया जी? एक ऐसी थाली दी गयी जिसमें दो मिनट की भूमिका, आईटम नंबर एवं रोमांटिक सीन की पेशकश थी और वो भी हीरो के साथ सोने के बाद।

बीकानेर: तनी हुई मूंछ रखने पर दलित की गोली मारकर हत्या

बीकानेर। मूंछ रखना मर्दों की शान माना जाता है लेकिन यदि इन्हीं मूंछों के कारण किसी की जान ले ली जाए तो इसे आप क्या कहेंगे। भारत में एक इलाका ऐसा भी है जहां एक दलित की सिर्फ इसलिए गोली मारकर हत्या कर दी गई क्योंकि उसकी मूंछें ऊंची जाति वालों की मूंछों से ज्यादा घनी और तनी हुई थी। मामला राजस्थान के बीकानेर का है। जहां के फतोही गांव में रहने वाले प्रदीप कुमार जो कि मेघवाल समुदाय का था शुरु से ही अपनी मूंछों के लिए पूरे गांव में मशहूर था। जिसे लेकर अक्सर ऊंची जाति वाले प्रदीप को मूंछे कटवा लेने की धमकी दिया करते थे। प्रदीप इस बात को नजरअंदाज करता गया। लेकिन उसकी ये नजरअंदाजी उसके जान पर बन आई। जब प्रदीप हिंदूमलकोट गांव के पास कुछ सामान लेने पहुंचा तो आरोपियों ने उसे घेर लिया और उसे मूंछ काटने को कहा। प्रदीप के मना करने पर उसके साथ मारपीट की गई। अंत तक जब प्रदीप नहीं माना तो आरोपियों ने उसके सिर में गोली मार दी। प्रदीप की मौत की खबर सुनते ही परिवार टूट गया और पिता ने पुलिस में तीन लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट जद कराई। जिसमें से 2 लोग नाबालिग थे। पुलिस ने दोनों ही नाबालिगों को हिरासत में ले लिया जबकि एक आरोपी भानू सिंह फरार है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुझे वैक्सीन और वैज्ञानिकों पर विश्वास लेकिन ट्रंप पर नहीं : बाइडेन

लॉस एंजलिस।

डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन ने कहा कि कोरोना वायरस के संभावित वैक्सीन को लेकर उन्हें वैज्ञानिकों की बात पर तो विश्वास है, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर नहीं। अमेरिका में 3 नवम्बर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले इन दिनों टीके का मुद्दा चर्चा का विषय बना हुआ है। बाइडेन ने कोरोना वायरस के संभावित टीके पर जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों से चर्चा करने के बाद डेलावेयर के विलमिंगटन में व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण के वितरण और कोरोना वायरस परीक्षण को लेकर ट्रंप की ''अक्षमता और बेईमानी का जिक्र किया । उन्होंने कहा कि अमेरिका ''टीके को लेकर उन विफलताओं को दोहरा नहीं सकता। बाइडेन ने कहा, ''मुझे टीके पर भरोसा है, मुझे वैज्ञानिकों पर भरोसा है लेकिन मुझे डोनाल्ड ट्रंप पर भरोसा नहीं है, और इस समय अमेरिकी लोगों को भी (ट्रंप पर भरोसा) नहीं है। ट्रंप ने बुधवार को दावा किया कि कोरोना वायरस का टीका मध्य अक्टूबर तक आ जाएगा। जबकि इससे पहले रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र के निदेशक रॉबर्ट रेडफील्ड ने कांग्रेस की सुनवाई के दौरान कहा था कि अमेरिका के अधिकतर लोगों तक 2021 ग्रीष्मकाल से पहले टीका नहीं पहुंच पाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में बाइडेन ओर ट्रंप आमने-सामने हैं।

पाकिस्तान में हिंसा को बढ़ावा दे रहे इमरान, शिया-सुन्नी मुसलमानों में बढ़ा टकराव

पेशावर।

पाकिस्तान लंबे समय से सांप्रदायिक हिंसा की चपेट में है। इन दिनों पाकिस्तान में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच फिर टकराव बढ़ गया है। देश में दोनों कौमों के बीच तनाव से जेश हिंस की आग में जल रहा है। लोग इसके लिए इमरान खान सरकार को बता रहे हैं। शियाओं को डर है कि पाकिस्तान में 1980 और 90 के दशक में भड़की हिंसा जैसी घटना हो सकती है। तब सैकड़ों लोग सांप्रदायिक हिंसा में मारे गए थे। साल 2011-2019 तक यहां विभिन्न सांप्रदायिक हिंसा में 10 हजार से ज्यादा लोग मारे गए। इनमें 5 हजार से ज्यादा शिया हैं। पिछले हफ्ते सुन्नी मुसलमानों और आतंकी संगठनों ने कराची में शिया मुसलमानों के खिलाफ प्रदर्शन किए। उन्होंने दुकानें और अन्य प्रतिष्ठान बंद करा दिए। सड़कें जाम कर दीं। उन्होंने नारे लगाए कि शिया काफिर हैं, इन्हें मार दिया जाए। प्रदर्शनों की अगुआई प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिपाह ए सबाह ने की। रावलपिंडी के प्रमुख शिया मौलवी अली रजा कहते हैं कि प्रधानमंत्री इमरान खान इस शिया विरोधी प्रदर्शनों के लिए जिम्मेदार हैं। ऐसा लगता है कि सरकार जानबूझकर हेट स्पीच को बढ़ावा दे रही है। शियाओं को मैसेज भेजकर उन्हें काफिर बताया जा रहा है। उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

ट्रंप ने डाक मतपत्र को बताया विदेशी हस्तक्षेप से बड़ा खतरा

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि राष्ट्रपति पद के चुनाव में कथित विदेशी हस्तक्षेप से बड़ा खतरा डाक मतपत्र हैं, क्योंकि इनसे बड़े स्तर पर चुनावी धांधली की आशंका है। तीन नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव से पहले डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले राज्यों के गवर्नर लोगों को मतदान केंद्र जाने के बजाए डाक मतपत्र के जरिए मतदान करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। ट्रंप की दलील है कि ऐसे कदम से चुनावी धांधली हो सकती है,क्योंकि इसमें कोई किसी और के बदले भी वोट डाल सकता है। हजारों मत पत्र गायब हो सकते हैं। वहीं, डेमोक्रेटिक पार्टी का कहना है कि यह स्थापित चलन है और कोरोना वायरस के मद्देनजर डाक मतपत्र से मतदान के विकल्प को चुनने की जरूरत है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, इस चुनाव में हमारा सबसे बड़ा खतरा विपक्षी पार्टी के गवर्नर हैं जो मत पत्रों को नियंत्रित कर रहे हैं। मेरे लिए अन्य देशों से बड़ा खतरा यह है, क्योंकि अन्य देशों के बारे में जो चीजें आ रही हैं । वह झूठी निकल रही हैं। उन्होंने कहा कि मत पत्र चुराए जाएंगे। कौन जानता है कि वे कहां जा रहे हैं? कौन जानता है कि वे कहां से आ रहे हैं? यह हमारे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। राष्ट्रपति ने आरोप लगाया कि यह कदम डेमोक्रेटिक पार्टी किसी मकसद के तहत उठा रही है और वे जानते हैं कि यह गलत है।

ईयु को झटका- अब मर्जी के मुताबिक व्यापार करेगा ब्रिटेन !

लंदन।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के ब्रेक्जिट समझौते को नकारने वाले विवादित विधेयक ने संसद में पहली बाधा पार कर ली है और इसे हाउस ऑफ कॉमंस ने पारित कर दिया है। अब यह विधेयक संसद के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स में जाएगा। इस विधेयक के कानून का रूप लेने पर ब्रिटेन अपनी मर्जी के मुताबिक व्यापार समझौते और अन्य कदम उठा सकेगा। ईयू का उसके फैसलों में कोई दखल नहीं रहेगा। इस विधेयक के जरिए ब्रेक्जिट को लेकर ब्रिटेन और यूरोपीय यूनियन के बीच हुए समझौते की कुछ शर्तों में बदलाव किया गया है। हाउस ऑफ कॉमन्स में हुए मतदान के दौरान विधेयक के पक्ष में 340 जबकि विरोध में 263 वोट पड़े। ब्रिटिश संसद के ताजा फैसले से ब्रिटेन और बाकी यूरोप के सदियों पुराने संबंधों में दरार आ गई है। इसका असर आने वाले समय में और ज्यादा विकृत रूप में दिखाई दे सकता है। सत्ता पक्ष, विपक्ष और ईयू से उठ रहे तीखे विरोध के बीच प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने मंगलवार को हाउस ऑफ कॉमंस से इंटर्नल मार्केट बिल पारित करा लिया। सरकार ने कहा है कि यह विधेयक ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैंड के सभी जायज अधिकारों की रक्षा करेगा। इस विधेयक के कानून का रूप लेने के बाद ब्रिटेन और उत्तरी आयरलैंड ईयू के साथ व्यापार समझौता कर सकेंगे। लेकिन आलोचकों ने कहा है कि ब्रिटेन अंतरराष्ट्रीय नियमों को तोड़कर नया कानून बनाने जा रहा है।

उसने ईयू के साथ हुए समझौते को बिना विचार-विमर्श किए एकतरफा तोड़ने का कदम उठाया है जिसका दुनिया में गलत संदेश गया है।

साउथ चाइना सी में और बढ़ा तनाव, अब इंडोनेशिया ने खदेड़ा चीन का गश्ती जहाज

इंटरनेशनल डेस्क। एशिया में साउथ चाइना सी एक बार फिर तनाव का नया क्षेत्र बन गया है। साउथ चाइना सी के 90 फीसदी हिस्से पर चीन अपना दावा करता है। इस समुद्र को लेकर उसका फिलीपींस, मलेशिया, ब्रुनेई और वियतनाम के साथ विवाद है। वहीं, पूर्वी चाइना सी में जापान के साथ चीन का द्वीपों को लेकर विवाद चरम पर है। हाल में ही अमेरिका ने साउथ चाइना सी पर चीन के दावे को खारिज कर दिया था। चीन की दादागिरी का कई देशों द्वारा मुंहतोड़ जवाब देने के बाद अब इंडोनेशिया ने अपने आर्थिक क्षेत्र में घुसे चीन के एक गश्ती जहाज को खदेड़ दिया है। इंडोनेशिया ने चीन के जहाज को नातुना द्वीप के पास से खदेड़ा है। यह क्षेत्र इंडोनेशिया के एक्सक्लूसिव इकनॉमी जोन में आता है। इंडोनेशियाई समुद्री सुरक्षा एजेंसी को चीन के जहाज 5204 के इंडोनेशियाई विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र में प्रवेश करने के बारे में पता शुक्रवार रात में चला था। इंडोनेशियाई समुद्री सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख आन कुर्निया ने बताया कि जानकारी मिलने के बाद हमने अपने एक गश्ती जहाज को चीन के इस जहाज के पास भेजा। इंडोनेशियाई जहाज और चीन के जहाज के बीच एक किलोमीटर की दूरी से इलाके पर दावे को लेकर बातचीत की गई।

यूनान में अवैध रूप से रहने वाले 30 पाकिस्तानी गिरफ्तार, दूतावास की मदद से मिली रिहाई

एथेंस।

यूनान में करीब 30 पाकिस्तानी नागरिकों को क्रेट आइलैंड पर गिरफ्तार कर लिया गया। अवैध रूप से रहने वाले इन पाक नागरिकों का अपने कार्यस्थल पर व्यवहार बहुत खराब था जिस लोग इनसे परेशान थे । एथेंस में पाकिस्तानी दूतावास द्वार मामले में दखल के बाद इनको रिहा कर दिया गया।अगस्त के अंतिम सप्ताह में पाकिस्तानी शख्स ने वर्कप्लेस पर यूनानी लड़की के साथ छेड़छाड़ की जिसके बाद यहां रह रहे अवैध पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस घटना से गुस्साए अनेकों यूनानी लोगों ने क्रेट आइलैंड के टिंपकी स्थित मस्जिद पर हमला किया जिसका इस्तेमाल वहां रहने वाले पाकिस्तानी नागरिक करते थे।सूत्रों के अनुसार,क्रेट आइलैंड के टिंपकी पर 200-300 यूनानी युवाओं ने हमला कर दिया। करीब 25-30 अवैध पाकिस्तानियों को यूनानियों के द्वारा बंधक बना लिया गया। एथेंस में पाकिस्तानी दूतावास के दखल के बाद इन्हें रिहाई मिल सकी। ग्रीस में पाकिस्तानी समुदाय का नेतृत्व करने वाले जावेद असलम एरियन ने इस घटना का जिक्र रेसिस्ट के मामला के तौर पर बताया है।

गौरतलब है कि ग्रीस में पाकिस्तान और अफगानिस्तान से अवैध इमिग्रेशन चिंता का विषय है। ग्रीक सिटी टाइम्स के अनुसार, ग्रीस अधिकारी यहां से 10 हजार से अधिक अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना चाहते हैं। जुलाई में ग्रीस ने पाकिस्तान के अवैध प्रवासियों को यहां से निकालना शुरू किया था।

जुलाई के अंत में एथेंस इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पाकिस्तानी प्रवासियों को लेकर एक फ्लाइट इस्लामाबाद गई थी। शरणार्थी शिविरों व इमिग्रेशन के मंत्री नोटिस मितराकिस ने एक बयान में कहा, ग्रीस ने सख्त लेकिन स्पष्ट इमिग्रेशन पॉलिसी लागू किया है। सीमा पर सख्त सुरक्षा के बाद मार्च की शुरुआत से ही अवैध प्रवासियों पर हमारी नजर है।

भारत ने चीन की डिजिटल जासूसी के खिलाफ उठाया सख्त कदम, एक्सपर्ट कमेटी से 30 दिन में मांगी रिपोर्ट

इंटरनेशनल डेस्क।

भारत के खिलाफ चीन की साजिशों की पोल खुलती जा रही है और भारत द्वारा ड्रैगन के खिलाफ कड़े कदम भी उठाए जा रहे हैं। ऋ्रष्ट पर करारे जवाब के बाद अब चीन द्वारा भारत में करीब 10,000 लोगों के डाटा की निगरानी करने के मामले की बारीकी से जांच के लिए भारत सरकार ने एक एक्सपर्ट कमेटी बनाई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस मामले में भारत सरकार ने डिजिटल जासूसी की इन रिपोर्टों का अध्ययन करने, उनका मूल्यांकन करने और कानून के किसी भी उल्लंघन का आकलन करने के लिए राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक के तहत एक एक्सपर्ट कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी 30 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। मालूम हो कि चीन की शेनजेन स्थित इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी कंपनी जेन्हु पर लगभग 10 हजार भारतीय नागरिकों पर 'डिजिटल जासूसी' का गंभीर आरोप लगा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल को सरकार के इस फैसले की जानकारी भी दी है, क्योंकि उन्होंने और कई सांसदों ने सरकार से अपील की थी कि चीन की जासूसी से भारतीय राजनेताओं और दूसरे लोगों के डाटा को बचाया जाए। सूत्रों के अनुसार विदेश मंत्रालय ने चीन की इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी कंपनी जेन्हु पर लगे कथित डिजिटल जासूसी के आरोपों का मुद्दा भारत में चीन के राजदूत के सामने भी उठाया। चीन ने कहा कि जेन्हु एक निजी कंपनी है और सार्वजनिक रूप से अपने बारे में बता चुकी है। सूत्रों ने आगे बताया कि भारत सरकार इस रिपोर्ट को बहुत गंभीरता से ले रही है।

जिसमें बताया गया कि विदेशी बिना हमारी सहमति के हमारे नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा तक पहुंचने या प्राप्त करने की कोशिश कर रह हैं। भारतीय नागरिकों की गोपनीयता और निजी डेटा की सुरक्षा को भारत सरकार बहुत गंभीरता से लेती है। मालूम हो कि इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि चीन भारत में करीब 10,000 लोगों के डाटा की निगरानी कर रहा है। चीन भारत के हाई प्रोफाइल लोगों पर भी नजर बनाए हुए है जिसमें पीएम मोदी से लेकर सोनिया गांधी राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सीजेआइ एसए बोबडे, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, सीडीएस जनरल बिपिन रावत, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी जैसी टॉप हस्तियां चीन की निगरानी में है। कंपनी इन हस्तियों की रियल टाइम निगरानी कर रही है. इसमें उनसे जुड़ी हर छोटी से छोटी और बड़ी से बड़ी सूचना शामिल है। इस लिस्ट में राजस्थान के सीएम अशोक की सीएम ममता बनर्जी, पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह, महाराष्ट्रके सीएम उद्धव ठाकरे, ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक का नाम भी शामिल है।

कोरोना से जंग के लिए लंदन मेयर ने पंजाबी, हिंदी और अन्य भाषाओं में वीडियो किए जारी

लंदन। ब्रिटेन में लंदन के मेयर सादिक खान ने कोरोना वायरस के खिलाफ जंग के लिए पंजाबी, हिंदी, बंगाली, उर्दू और अन्य भाषाओं में वीडियो जारी किए हैं । उन्होंने दक्षिण एशियाई समुदायों तक कोरोना से बचाव से संबधित महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराने के लिए यह कजदम उठाया है। वीडियो में खान को डिप्टी मेयर राजेश अग्रवाल के साथ हिंदी में बातचीत के साथ-साथ अन्य लोगों को चेहरे को ढंकने, सामाजिक दूरी और नियमित रूप से हैंडवाशिंग के महत्व को बढ़ावा देते हुए दिखाया गया है। दरअसल लंदन में भारतीय और दक्षिण एशियाई मूल की बड़ी आबादी रहती हैं। ब्रिटेन के अभियान समूह डॉक्टरों और ग्रेटर लंदन प्राधिकरण सहित कई संगठनों ने हाल ही में स्वास्थ्य सचिव मैट हैनकॉक को अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषाओं में महत्वपूर्ण सलाह के अपडेट के अनुवाद की कमी के बारे में लिखा था। बोरिस जॉनसन सरकार ने इसके पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए एक जांच करवाई कि दक्षिण एशियाई और अन्य जातीय अल्पसंख्यकों को महामारी ने कितना प्रभावित किया है। इंग्लैंड में नवीनतम आंकड़ों के अनुसार 793 रोगियों को 'भारतीय' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। एक अध्ययन में यह भी सामने आया है कि अस्पतालों में कोरोना से पीड़ित लोगों में दक्षिण एशियाई पृष्ठभूमि के लोगसे श्वेत लोगों की तुलना में 20त्न अधिक हैं। से श्वेत लोगों की तुलना में 20 अधिक हैं। खान द्वारा जारी किए गए वीडियो दक्षिण एशियाई समुदायों पर वायरस के प्रतिकूल प्रभाव से निपटने के लिए प्रयासों का हिस्सा हैं।

दुनियाभर में कोविड-19 के मामले 2.97 करोड़ के पार

वाशिंगटन।

विश्वभर में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से दो करोड़ 97 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो गये हैं और 9.39 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में अब तक 2,97,64,055 लोग संक्रमित हुए हैं और 9,39,473 लोगों की मौत हुई है। वैश्विक महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 66,30,051 पर पहुंच गयी है और अब तक 1,96,763 लोगों की जान जा चुकी है। भारत में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के रिकॉर्ड 97,894 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 51 लाख को पार कर 51,18,254 हो गया। वहीं इस दौरान 1132 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 83,198 हो गयी है। ब्राजील में अब तक 44,19,083 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 1,34,106 लोगों की मौत हो चुकी है। रूस में कोरोना से संक्रमित होने वालों की संख्या 10,75,485 पहुंच गई हैं तथा 18,853 लोगों ने जान गंवाई है। पेरू में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और यह कोरोना से संक्रमित होने के मामले में वह पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 7,38,020 लोग संक्रमित हुए हैं और 30,927 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलम्बिया में इस वायरस से अब तक 7,36,377 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 23,478 है। वहीं मेक्सिको ने कोरोना से प्रभावित होने के मामले में दक्षिण अफ्रीका को पीछे छोड़ दिया है। यहां इससे अब तक 6,80,931 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 71,978 लोगों की मौत हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना संक्रमितों की संख्या 6,53,444 पर पहुंच गई है तथा इस वायरस से मरने वालों की संख्या 15,705 हो गयी हैं। स्पेन नए मामलों में वृद्धि के बाद अब नौवें स्थान पर है यहां अब तक करीब 6,14,360 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 30,243 लोगों की मृत्यु हुई है। कोविड-19 से संक्रमित मामलों में अर्जेंटीना ने फ्रांस और चिली को पीछे छोड़ दिया है और अब 10वें नंबर पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 5,89,012 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 12,116 है। चिली में कोरोना से 4,39,287 लोग संक्रमित हो चुके है तथा 12,058 लोगों की मौत हुई है। कोरोना से प्रभावित फ्रांस में इसकी चपेट में अब तक 4,43,869 लोग आए हैं तथा 31,056 लोगों की मृत्यु हुई है। ईरान में अब तक इस महामारी से 4,10,334 संक्रमित है जबकि 23,632 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन में कोरोना से अब तक 3,80,677 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 41,773 लोगों की मौत हुई है। कोरोना संक्रमण मामलों में बंगलादेश सऊदी अरब से आगे निकल गया है और यहां संक्रमितों की संख्या 3,42,671 हो गई है तथा 4,823 लोगों की मौत हो चुकी है। सऊदी अरब में कोरोना के 3,27,551 मामले सामने आए हैं जबकि 4,369 लोगों की मौत हो चुकी हैं। पाकिस्तान में कोरोना से अब तक 3,03,634 लोग संक्रमित हुए हैं ।

संक्षिप्त समाचार

ब्लैक लिस्ट से बचने के लिए पाकिस्तान ने पास किए तीन विधेयक

इस्लामाबाद। आंतकवाद को वित्तीय पोषण के आरोपों से घिरा पाकिस्तान वित्तीय कार्रवाई कार्य बल की ब्लैक लिस्ट से बचने के लिए अब नया दाव खेल रहा है। पाकिस्तान संसद के दोनों सदनों के एक संयुक्त सत्र में संबंधी तीन अहम विधेयक बुधवार को पारित कर दिए गए। पाकिस्तान सरकार ने स्न्नञ्जस्न द्वारा काली सूची में डाले जाने से बचने के प्रयासों के तहत ये विधेयक पेश किए । इससे पहले, पाकिस्तानी सीनेट ने निचले सदन से पारित आतंकवाद-रोधी (संशोधन) अधिनियम विधेयक, 2020 को खारिज कर दिया था। यह संबंधी तीसरा विधेयक है, जिसे विपक्ष के बहुमत वाले उच्च सदन में रोका गया था। पाकिस्तानी सीनेट ने पिछले महीने धनशोधन रोधी (दूसरा संशोधन) विधेयक और इस्लामाबाद राजधानी क्षेत्र वक्फ संपत्ति विधेयक को भी खारिज कर दिया था। विधेयक स्न्नञ्जस्न की ग्रे सूची से बाहर आकर व्हाइट सूची में जाने की पाकिस्तान की कवायद का हिस्सा थे। 18वें संशोधन के तहत, अगर एक सदन से पारित विधेयक दूसरे सदन में खारिज कर दिया जाता है और अगर दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में उसे मंजूरी मिल जाती है, तो वह कानून बन जाता है। देश के प्रधानमंत्री इमरान खान संयुक्त सत्र में शामिल हुए, जिसकी अध्यक्षता नेशनल असेम्बली के अध्यक्ष असद कैसर ने की।

अमेरिका में 2023 तक शून्य रहेगी ब्याज दर

न्यूयॉर्क। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेड रिजर्व ने बुधवार देर रात ब्याज दरों में कोई परिवर्तन न करने का ऐलान करते हुए ब्याज दर जीरो प्रतिशत पर ही कायम रखा है। फेड रिजर्व की बुधवार को समाप्त हुई दो दिवसीय बैठक के दौरान कोरोना संकट के जीडीपी और रोजगार पर पड़ने वाले प्रभाव पर भी चर्चा हुई। बैंक एक चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने कहा कि बैठक के दौरान फैसला लिया गया कि मौजूदा आर्थिक स्थिति को देखते हुए ब्याज दरों को शून्य के करीब ही रखा जाए और यह स्थिति 2023 तक कायम रहेगी। ऐसा पहली बार हुआ है जब अमेरिका के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों को कायम रखने के लिए इतनी लंबी अवधि के लिए फैसला लिया है। बैठक के दौरान यह भी फैसला हुआ है कि केंद्रीय बैंक महंगाई की दर के 2 फीसदी से बढ़ने पर भी इसमें ज्यादा दखल नहीं देगा और महंगाई बढ़ने पर भी ब्याज दरों को बढ़ाने पर तुरंत निर्णय नहीं लिया जाएगा।

अमेरिका: सान जोस में गोलीबारी में 2 की मौत, 4 घायल

वाशिंगटन। अमेरिका के उत्तरी कैलिफोर्निया के सान जोस में स्टेट यूनिवर्सिटी कैंपस के पास गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि चार घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि हमले में चार लोग घायल हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इन सभी घायलों की हालत स्थिर है। रिपोर्ट के अनुसार गोलीबारी मंगलवार स्थानीय समयानुसार रात को 1 बजे हुई थी। इस हमले में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस अभी संदिग्धों की पहचान नहीं कर सकी है।

ट्रंप के आदेश से बचने के लिए टिकटॉक का वैश्विक मुख्यालय अमेरिका में ही रखा जाएगा

वाशिंगटन। चीन की बाइटडांस ने अपने लोकप्रिय शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म टिकटॉक का वैश्विक मुख्यालय अमेरिका में स्थापित करने का निर्णय किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस पर रोक लगाने के आदेश से बचने के लिए कंपनी ने यह रास्ता निकाला है। चीन के सरकारी सीजीटीएन टीवी ने बुधवार को एक रपट में कहा कि बाइटडांस की अमेरिकी अधिकारियों के सामने पेश योजना के मुताबिक टिकटॉक अमेरिका में मुख्यालय वाली नई कंपनी में बहुलांश हिस्सेदार बनी रहेगी। वहीं, प्रौद्योगिकी कंपनी ओरेकल इसमें अल्पांश हिस्सेदार होगी। रपट में कहा गया है कि कंपनी में वॉलमार्ट अन्य अल्पांश हिस्सेदार होगी। वैश्विक खुदरा कंपनी वॉलमार्ट ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ मिलकर टिकटॉक में हिस्सेदारी खरीदने की पेशकश की थी। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले व्यक्तियों ने कहा कि योजना की विस्तृत रूपरेखा में बदलाव भी हो सकता है। स्वतंत्र तीसरे पक्ष के लोग नयी कंपनी के निदेशक होंगे। वहीं, बाइटडांस के पास टिकटॉक और उसकी मूल एल्गोरिदम का नियंत्रण बना रहेगा। रपट के मुताबिक अमेरिकी उपयोगकर्ताओं की डेटा सुरक्षा को लेकर ट्रंप सरकार की चिंताओं को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने यह डेटा अमेरिका में ही रखने का निर्णय किया है और ओरेकल इसके लिए डेटा सेवाप्रदाता का काम करेगी। ट्रंप सरकार ने टिकटॉक को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा करार दिया है। ट्रंप ने छह अगस्त को एक कार्यकारी आदेश जारी कर टिकटॉक के सामने अपने अमेरिकी कारोबार को 20 सितंबर तक बंद करने या किसी अमेरिकी कंपनी को बेचने की समयसीमा रखी थी। भारत ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के लिए खतरा बताते हुए टिकटॉक समेत 59 चीनी ऐप पर जून में रोक लगा दी थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाबरी विध्वंस मामले में आडवाणी, जोशी, कल्याण सबको दोषमुक्त करे कोर्ट-अंसारी

अयोध्या (एजेंसी)अयोध्या में विवादित ढांचा गिराए जाने के मामले में 30 सितंबर को फैसला सुनाया जाएगा।कोर्ट ने सभी आरोपियों लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, कल्याण सिंह को उस दिन कोर्ट में मौजूद रहने को कहा है।?इस बीच बाबरी मस्जिद मामले के मुख्य पैरोकार रहे इकबाल अंसारी ने सीबीआई की स्पेशल कोर्ट से सभी आरोपियों को दोषमुक्त करार देने की अपील की है। अंसारी ने लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, कल्याण सिंह सहित सभी 48 आरोपियों को निर्दोष ठहराने की अपील करते हुए इस पूरे मामले को समाप्त करने का अनुरोध किया है।

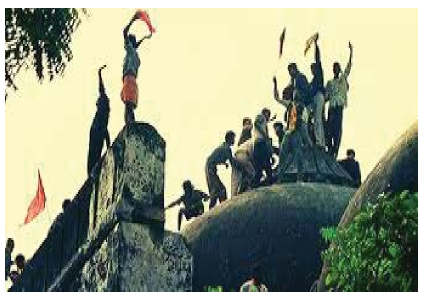

इकबाल अंसारी ने कहा कि मैं चाहता हूं कि सभी केस हटा दिए जाएं और इस पूरे मसले को खत्म किया जाए। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद वैसे भी कोई विवाद नहीं बाकी है।?उन्होंने कहा कि यह मसला सुप्रीम कोर्ट में रहा और सुप्रीम कोर्ट से फैसला भी आ गया है। फैसला मंदिर के हक में आया। बाबरी विध्वंस के मुकदमे में बहुत से लोगों की सुनवाई हो चुकी है और बहुत से लोग ऐसे भी हैं जो इस दुनिया में नहीं हैं।? जो लोग बचे हैं वे भी बहुत बुजुर्ग हो चुके हैं। हम यह चाहते हैं कि बाबरी मस्जिद के नाम पर जितने भी मुकदमे हैं उन को समाप्त कर देना चाहिए। इकबाल अंसारी ने कहा कि हम यह चाहते हैं कि हिंदू और मुसलमान मंदिर और मस्जिद के नाम पर कोई भी ऐसा काम न करें जो देश की तरक्की में बाधा बने। विदित हो कि 28 साल पुराने इस मामले में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, साक्षी महाराज, साध्वी रितंभरा, विश्व हिंदू परिषद नेता चंपत राय सहित 32 आरोपी हैं।

मासूम बच्ची को जहर देकर होटल मैनेजर ने पत्नी संग जान दी

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ के एक होटल मैनेजर ने पत्नी संग खुदकुशी कर ली। वहीं दंपत्ति ने अपनी पांच साल की बच्ची को भी जहर देकर मारने का प्रयास किया गया। घटना के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

प्राप्त विवरण के मुताबिक भैंसाली बस डिपो के पास एवरेस्ट गेस्ट हाउस में अरविंद (40) मैनेजर है। अरविंद पत्नी और बच्ची के साथ पिछले 10 दिन से होटल के एक कमरे में रह रहा था। गुरुवार सुबह होटल मालिक की सूचना पर सदर बाजार थाना पुलिस गई और कमरे का दरवाजा खोला तो अरविंद की लाश फांसी पर लटकी हुई थी, जबकि उसकी पत्नी बेड पर पड़ी थी। उसके मुंह से झाग निकल रहे थे। आशंका जताई जा रही है कि पत्नी ने जहर खाया है, जबकि अरविंद ने फांसी लगाकर खुदकुशी की है। बेड पर ही अरविंद की पांच साल की बेटी भी बेसुध पड़ी हुई थी। उसके मुंह से भी झाग निकल रहे थे। पुलिस ने तत्काल उसको जिला अस्पताल में भर्ती कराया। कैंट एएसपी डॉ. ईरज राजा ने बताया कि पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर है। अभी कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। अरविंद के बारे में और ज्यादा जानकारियां की जा रही हैं। इससे पहले वह शहर के दूसरे होटलों में भी मैनेजर रह चुका है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सार–समाचार

कानपुर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के अवसर पर ष्बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओष अभियान के अंतर्गत बेनाझाबर नई बस्ती में भारतीय जनता पार्टी तिलक नगर मंडल द्वारा किताबें कॉपियां पेंसिल मास्क व सेनीटाइजर व बिस्किट व चिप्स का वितरण किया गया तथा मोदी जी को खूब बधाई व प्यार दिया गया बच्चों द्वारा जिसमें उत्तर प्रदेश की मंत्री नीलिमा कटियार जी वरिष्ठ भा ज पा नेता ब्रज नन्दन दुबे जी गौरव जी राम पाल जी रानी शुक्ला जी जय नारायण जी राजेन्द्र शुक्ला जी नरेंद्र सोनकर जी सीमा तिवारी जी राम जी प्रकाश श्रीवास्तव जी अवधेश सिंह जी आशीष सिंह जी पुनीत जी सप्पू जी अश्वनी जी आशीष दीक्षित जी रजत जी रवि भोलू जी मुकेश गुप्ता आदि तिलक नगर मण्डल के कार्यकर्ता बंधु रहे कार्यकर्म का आयोजन मण्डल अध्यक्ष पवन गुप्ता की द्वारा किया गया ।

ग्रामीणों को देख फायरिंग कर भागे बदमाश,ग्रामीणों में दहशत क माहौल

कानपुर(घाटमपुर)पतारा क्षेत्र के धरमपुर बम्बा स्थित नागेलिनपुर मोड़ पर सुबह पाँच बजे के लगभग चार अज्ञात व्यक्ति रोड क्रास कर रेलवे लाइन की ओर बढ़ रहे थे तभी कुछ ग्रामीणों ने उन्हें आवाज लगाई जिस पर अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा जान से मारने की धमकी दे रेलवे लाइन की ओर चल दिये तभी ग्रामीणों ने चोर चोर शोर मचा दिया आवाज सुनकर ग्रामीणों ने अज्ञात चार व्यक्तियों को पकड़ने की कोशिश की तभी अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा हवा में फायरिंग कर दी गयी फायर सुनकर ग्रामीण वही के वही रुक गए जिसके चलते चारों अज्ञात बदमाश रेलवे लाइन के रास्ते निकल गए सुबह लगभग 7 बजे जब ग्रामीणों एक व्यक्ति को मिट्टी से सना हुआ टहलते देखा तो डायल 112 पर सूचना दी मौके पर पहुँची पीआरवी 0455 के द्वारा उक्त व्यक्ति को पकड़कर घाटमपुर थाने ले गयी पतारा चौकी इंचार्ज रविन्द्र सिंह ने बताया की मौके पर पहुँचकर जानकारी की है फायरिंग की कोई भी जानकारी नही मिली एक संदिग्ध युवक से पूछताछ की जा रही है।

'सहारनपुर में पत्रकार देवेश त्यागी पर तथाकथित भाजपा नेताओं द्वारा हमला करने एव आये दिन हो रहे पत्रकारों पर हमले के विरोध में कानपुर प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए राज्यपाल एव मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट हिमांशु गुप्ता को सौपा'ज्ञापन देने से पूर्व प्रेस क्लब पदाधिकारी एव सदस्यों ने कानपुर प्रेस क्लब से पैदल मार्च करते हुए मोदी सरकार मुर्दाबाद,भाजपा मुर्दाबाद, पत्रकारों पर हमले बंद करो,बीजेपी शर्म करो,शर्म करो,पत्रकार हितों का हनन हुआ तो ,खून बहेगा सड़को पर आदि नारे लगाते हुए बड़े चौराहे पर ज्ञापन देने के लिए बैठ गए ज्ञापन देने में कानपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष अवनीश दीक्षित, महामंत्री कुशाग्र पाण्ड्य,कोषाध्यक्ष अभिलाष बाजपेयी, उपाध्यक्ष सुनील साहू कार्यकारणी आदि मौजूद रहे'

घाटमपुर उपचुनाव के लियें सपा ने कसी कमर।

कानपुर–कैबिनेट मन्त्री स्वर्गीय कमल रानी वरुण के निधन से रिक्त हुई घाटमपुर विधानसभा के उपचुनाव के लियें सभी पार्टियों ने कमर कस ली है जहाँ बी जे पी अपनी सीट बरकार रखने के लियें आतुर दिख रही है वहीं सपा व बसपा भी कोई कसर नही रखना चाहती है और अपनी गई सीट को पुनः प्राप्त करना चाहती है। आज सपा के नवीन मार्केट स्थित कार्यालय में दावेदारों की भीड़ रही जो सपा जिलाध्यक्ष राघुवेंद सिंह यादव के समक्ष अपनी दावेदारी प्रस्तुत की और आवेदन फार्म भरे। सपा कार्यालय में आज रमाकांत पासवान, सोमबती शंखवार,दीपक पासवान, आर डी चंद्रहास, रामप्रसाद पासी, अनिल सोनकर वारसी, एडवोकेट अनिल सोनकर,मीरा संखवार,के कप्तान सेन व इंद्रजीत कोरी इत्यादि ने अपनी दावेदारी पेश की और आवेदन फार्म लियें। आज आवेदन करने वाले दावेदारों में ज्यादातर का घाटमपुर विधानसभा से दूर दूर तक कोई वास्ता नही है और न ही वह विधानसभा की भौगोलिक स्थिति से ही परिचित है।

कानपुर (घाटमपुर) साढ थाना क्षेत्र के कुढ़नी में अंग्रेजी शराब की दुकान से आबकारी टीम ने मिलावटी शराब की बरामद । आबकारी टीम ने अंग्रेजी शराब की दुकान में मुखबिर की सूचना पर मारा छापा ।छापे के दौरान आबकारी टीम ने सैकड़ो ढक्कन ओर 80 पौए मिलावटी शराब की बरामद ।छापेमारी के दौरान आबकारी टीम ने दो लोगो को किया गिरफ्तार

'समाचार विक्रेता संघ ने मनाया विश्वकर्मा पूजा'

कानपुर(घाटमपुर)समाचार पत्र विक्रेता संघ घाटमपुर ने मनाया विश्वकर्मा पूजा आज सुबह ओम पैलेस में इससे बाजपेई न्यूजपेपर एजेंसी की ओर से समाचार पत्र विक्रेताओं के द्वारा मनाया गया विश्वकर्मा पूजा जिसमें समाचार पत्र विक्रेता संघ कार्यवाहक अध्यक्ष टिंकू बाजपेई र. के द्वारा मनाया गया विश्वकर्मा पूजा मिष्ठान खिलाकर विश्वकर्मा जी को याद किया।

आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे पर बस पलटी, एक की मौत, 50 घायल

ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश में बस पुलिया से टकराई और पलट गई

उन्नाव(एजेंसी)। आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे पर गुरुवार सुबह सवारियों से भरी बस बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई, जबकि 50 यात्री घायल हो गए। हादसे की सूचना पर बांगरमऊ पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है, जबकि मरने वाले यात्री के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

पुलिस ने बताया कि दिल्ली के आनंद विहार से गोरखपुर जा रही एक डबल डेकर बस में लगभग 80 यात्री सवार थे।

गुरुवार सुबह लगभग आठ बजे लखनऊ आगरा–एक्सप्रेस वे पर बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के जोगिकोट गांव के पास बस का चालक आगे चल रहे एक ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान बस बेकाबू होकर पुलिया से टकरा गई और पलट गई। हादसे में गोरखपुर के बखैरा थाना क्षेत्र के किकरहिया गांव के रहने वाले जोगी (40) की घटनास्थल पर मौत हो गई। वहीं हादसे में कम से कम 50 यात्री घायल हो गए।

सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

जूडिशियल कस्टडी में सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में हुईं 400 लोगों की मौत

मध्य प्रदेश में पुलिस कस्टडी में एक साल में 14 लोगों ने अपनी जान गंवाई

लखनऊ (एजेंसी)। जुडिशियल यानी न्यायिक हिरासत और पुलिस कस्टडी में मौतें हमेशा अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक जुडिशियल कस्टडी में सबसे ज्यादा मौतें उत्तर प्रदेश में ही होती हैं। 1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 तक यूपी में 400 लोगों की मौत जुडिशियल कस्टडी में हुई। यह आंकड़ा चौंकाने वाला है। पुलिस कस्टडी में सबसे ज्यादा मौतें मध्य प्रदेश में हुईं। यह दोनों ही प्रदेश बीजेपी शासित हैं और देश के बड़े प्रदेशों में शामिल हैं।

मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा साझा किए गए डाटा के मुताबिक देश में हर दिन कम से कम पांच लोगों की मौत पुलिस या जुडिशियल कस्टडी में होती है। 2019–20 के बीच का आंकड़ा बताता है कि एक साल में 1,697 लोगों की मौत कस्टडी में हुई। जिनमें से 1,584 लोगों की मौत न्यायिक हिरासत और 113 लोगों की जान पुलिस कस्टडी में गई।

इनमें से सर्वाधिक जुडिशियल कस्टडी में हुई 400 मौतें अकेले उत्तर प्रदेश से हैं, जबकि मध्य प्रदेश में पुलिस कस्टडी में में 14 मौतें हुईं। यह किसी भी राज्य में सबसे ज्यादा हैं। इसके अलावा तमिलनाडु और गुजरात में 12–12 लोगों की मौत पुलिस कस्टडी में हुई। लोकसभा में दी गई जानकारी के मुताबिक जुडिशियल कस्टडी में मध्य प्रदेश में 143, पश्चिम बंगाल में 115, बिहार में 105, पंजाब में 93 और महाराष्ट्र में 91 है। हालांकि जुडिशियल या पुलिस कस्टडी में हुई इन मौतों के पीछे केंद्रीय गृह मंत्रालय ने वजह नहीं बताई है। उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक इन मौतों के पीछे बीमारी, गैंगवॉर, आत्महत्या और पुलिस द्वारा टार्चर ही है।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

दीवानी न्यायालय परिसर में सम्पन्न हुआ मॉकड्रील

बहराइच । विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं में जान–व–माल के नुकसान को न्यून से न्यूनतम किये जाने के उद्देश्य से अपर जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण बहराइच के तत्वावधान में जिला एवं सत्र न्यायालय, बहराइच परिसर में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट जितेन्द्र कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में न्यायालय आपदा प्रबन्ध योजना के दृष्टिगत विभिन्न आपदाओं के लिए गठित टीमों की भूमिका/दायित्व सम्बन्धी मॉकड्रिल का आयोजन किया गया।

दीवानी न्यायालय परिसर में आयोजित मॉकड्रिल के दौरान को विभिन्न आपदाओं जैसे भूकम्प, अग्निकाण्ड, वज्रपात आदि से होने वाली क्षति व बचाव, घायलों के प्राथमिक उपचार एवं उन्हें सुरक्षित तरीके से चिकित्सालय ले जाने के तौर तरीकों, अग्निकाण्ड के प्रकार एवं फायर रेस्क्यू तथा फायर एक्स्टिंग्यूसर के उपयोग

की विधि के बारे में जानकारी प्रदान की गयी।

मॉकड्रिल के दौरान न्यायालय में गठित आपदा प्रबंधन टीम के सदस्यों को कमाण्डेंट मिथिलेश कुमार के नेतृत्व में एन.डी.आर.एफ. टीम, जिला अग्निशमन अधिकारी शिव कुमार मिश्र के नेतृत्व में फायर फाईटर्स तथा जिला प्रबंधन प्राधिकरण बहराइच के आपदा विशेषज्ञ सुनील कुमार कन्नौजिया ने विभिन्न आपदाओं से बचाव के सम्बन्ध में व्यवहारिक जानकारी प्रदान करने के साथ–साथ डिमान्ट्रेशन भी प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ जे. के. पाण्डेय, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंचम जे.के. पाण्डेय, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी नवनीत कुमार भारती, सिविल जज (सी.डि)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बहराइच जगन्नाथ, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर टी.एन. दुबे, अधि.अभि. विद्युत मुकेश बाबू, अवर अभि. लो.नि.वि. समरजीत, दीवानी न्यायालय के सिस्टम अधिकारी वैभव सिंह चैहान, सिस्टम असिस्टेंट अखिलेश्वर पाण्डेय, सेन्ट्रल नाज़िर वीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य सम्बन्धित लोग मौजूद रहे।

लखनऊ हवाई अड्डे से जब्त हुआ 2 करोड़ रुपये का सोना

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ कस्टम विभाग की टीम ने चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सऊदी अरब से आने वाले एक यात्री से करीब 3.8 किलोग्राम सोना जब्त किया हैं। उसकी कीमत 2 करोड़ रुपये से अधिक है। इस तरह की जब्ती दो दिनों की अवधि में दूसरी बार हुई। इसके साथ ही मध्य पूर्व से सोने की तस्करी के कार्टेल का स्पष्ट लिंक पता चला।

विभाग के एक बयान में कहा गया, ष्लखनऊ कस्टम्स टीम ने 16 और 17 सितंबर की रात में सीसीएसआई एयरपोर्ट पर फ्लाइट नंबर जी8 6451 में रियाद से लखनऊ यात्रा करने वाले एक यात्री से 33 सोने की बिस्कुट को जब्त किया,

जिसका कुल वजन 3,849. 12 ग्राम था और इसका मूल्य 2,09,77,704 रुपये है।

बताया गया कि सोने के बिस्कुट को सेलोटेप में लपेट कर एक काले रंग की थैली में रखा गया, जो उनके अंडरगारमेंट में था।

जिसे देखकर संदेह हुआ और फिर कस्टम अधिकारियों ने यात्री की पूरी तरह से जांच की, जिसके बाद 33 सोने के बिस्कुट का पता चला।

फिलहाल व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे पहले इसी हवाई अड्डे पर लखनऊ कस्टम्स ने दुबई से लखनऊ आने वाली फ्लाइट नं. एफजेड 8325 के एक यात्री के पास से 583.2 ग्राम वजन के सोने के बिस्कुट की एक और जब्ती की थी। उसकी कीमत 31,78,440 रुपए थी।

डॉक्टर की डिग्री चोरी कर झोलाछाप चला रहा बिना पंजीकरण अवैध नर्सिंगहोम

बहराइच डाक्टर की डिग्री चोरी कर फर्जी अभिलेख लगाकर झोलाछाप डॉक्टर बिना पंजीकरण के अवैध नर्सिंग होम चला रहा है। डिग्री चोरी कर अवैध नर्सिंग होम चलाने की जानकारी मिलने पर डॉक्टर ने उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। जरवलरोड में गोंडा हाइवे पर हीरो एजेंसी के बगल बिना पंजीकरण हिंद पाली क्लीनिक नाम से अवैध नर्सिंग होम संचालित किया जा रहा है। डॉक्टर अखलाक अहमद पुत्र डाक्टर अब्दुल रज्जाक निवासी नई बस्ती पोस्ट पीरबटावन जनपद बाराबंकी की डिग्री चोरी कर, फर्जी अभिलेख लगाकर अवैध रुप से नर्सिंग होम का संचालन किया जा रहा है। यहां गर्भवती महिलाओं को भर्ती कर डिलीवरी कराना,मरीज भर्ती,ओपीडी, इमरजेंसी,आपरेशन और गर्भपात जैसी गैरकानूनी सेवाएं देकर भोली भाली ग्रामीण जनता को ठगा जा रहा है।फर्जी नर्सिंग होम चलाकर ग्रामीणों से मोटी कमाई की जा रही है। आम जनता को गुमराह कर बाराबंकी के देवपुरा भिटौरा निवासी मोहम्मद अजीज स्वयं डॉक्टर अखलाक एवं खलीकुन निशा स्वयं डा.अख्तरुन निशा डाक्टर बनकर भोले भाले ग्रामीण जनता को लूटकर अपना जेब भर रहे है।डिग्री चोरी कर अवैध नर्सिंग होम संचालित होने की जानकारी मिलने पर डॉक्टर अखलाक ने मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी और सीएमओ समेत उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर अपनी डिग्री चोरी कर गलत इस्तेमाल करने ,अवैध नर्सिंग होम संचालित करने तथा जनता के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए झोलाछाप डॉक्टर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।सीएचसी मुस्तफाबाद के अधीक्षक डा.निखिल सिंह ने बताया कि अवैध नर्सिंग होम की जानकारी मुझे नही है।उच्चाधिकारियों का निर्देश मिलने पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुरेश सिंह ने बताया कि अवैध नर्सिंग होम संचालित होने की जानकारी मिली है। छापेमारी कर अवैध नर्सिंग होम संचालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराकर कडी कार्रवाई की जाएगी।

डॉ वीरेंद्र स्वरूप इस्टीट्यूट आफ प्रोफेशनल स्टडीज मे चार दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन सम्पन हुआ

कानपुर ।डा. वीरेन्द्र स्वरुप इंस्टीट्यूट आफ प्रोफेशनल स्टडीज, के ब्लाक, किदवई नगर कानपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत समरसता इकाई एवं मुस्कराएगा इँडिया के तत्वावधान में एक चार दिवसीय व्याख्यानमाला दिनांक 14.9.2020 से 17..09.2020 तक आयोजित की गई।

व्याख्यानमाला का शुभारंभ प्राचार्या डा. पूनम मदान एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डा. अनीता शर्मा जी झद्वारा सरस्वती जी की वंदना एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया।

इस व्याख्यानमाला का मुख्य उद्देश्य सर्वजनहिताय एवं सर्वजनसुखाय पर केन्द्रित था। यह कार्यक्रम इंस्टीट्यूट के द्वारा आनलाइन आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम शिक्षकों, छात्रों एवं समाज के हर वर्ग के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ।

14.09.20 को राष्ट्रीय उत्थान न्यास के अध्यक्ष सुजीत कुंतल जी ने आपदा प्रबंधन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि आपदाएं प्राकृतिक एवं मानव निर्मित होती हैं।

इन आपदाओं से पहले व आपदा आने के उपरान्त हम किस प्रकार का प्रबंधन करें जिससे कि इसकी भयावहता को कम किया जा सके व इसके प्रभाव को रोका जा सके।

आपदा प्रबंधन के भारतीय भौगोलिक दृष्टिकोण व परिदृश्य के आधार पर आधारित हो, सबसे ज्यादा समस्याएं आपदाओं से आती हैं।

यह आपदाएं प्राकृतिक होती हैं। भूकंप, ज्वालामुखी, सुनामी, टिड्डी दल का हमला, बाढ़ आना, ये आपदाएं होती हैं।

इन समस्याओं को नजरअंदाज करने पर समस्याएं आती हैं।

यह सभी समस्याएं औद्योगिक संस्थान समाज के हर इकाई से जुड़ी होती हैं।

15.09.20 को स्वच्छ भारत अभियान पर डा. नवीन मोहिनी निगम निवर्तमान डीन एवं प्राचार्या महिला महाविद्यालय ने विस्तृत रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूरे शहर में 365 दिन 24x7 पेयजल आपूर्ति करने वाला देश का पहला शहर बनेगा गांधीनगर

गुजरात की राजधानी गांधीनगर 365 दिन और 24x7 यानी चौबीसों घंटे, सातों दिन पीने का शुद्ध पानी घर–घर पहुंचाने वाला देश का पहला शहर बनेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 70वें जन्मदिन पर वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम सेकेन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की प्रेरक उपस्थिति में मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने इस महत्वाकांक्षी योजना का ई–शिलान्यास किया। 229 करोड़ रुपए की लागत वाली इस योजना से गांधीनगर के नागरिकों को नल के माध्यम से 24 घंटे पीने का शुद्ध पानी मिलेगा। गुजरात के लिए गौरव के समान इस प्रोजेक्ट के ई–शिलान्यास के लिए केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुजरात सरकार को बधाई दी। अमितशाह ने कहा कि इस योजना में गांधीनगर के नागरिकों की प्रतिदिन पानी की जरूरत 150 लीटर मानी गई है, जो कि पर्याप्त है। जैसे–जैसे आबादी बढ़ती जायेगी, उस प्रकार पानी की जरूरत को पूरा करने का पर्याप्त आयोजन इस योजना में किया गया है। उन्होंने आगे कहा, गांधीनगर का विकास हमारा सामूहिक स्वप्न है। उन्होंने अपने संबोधन में गांधीनगर को आदर्श मतक्षेत्र बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कोरोना की महामारी के बीच मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने विकास के कामों को गतिशील रखा है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को पंचामृत पर्व के तौर पर मनाकर पांच विकास कार्यों की भेंट देने के लिए अमित शाह ने गुजरात सरकार को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदर्भ में बाद करते हुए अमित शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने सर्वस्पर्शी विकास का मंत्र देकर पूरे देश को नई दिशा दिखाई थी। आज प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के 60 करोड़ से अधिक गरीबों को बेहतर जीवन देने का प्रयास हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने साढ़े छह करोड़ गुजरातियों की ओर से नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके नेतृत्व में भारत माता जगत जननी और विश्वगुरू बने ऐसी मंगल कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा, महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल की जोड़ी ने स्वराज्य की स्थापना के लिए काम किया था, वैसे ही गुजरात के दो सपूत नरेन्द्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी सुराज्य की स्थापना के लिए कार्य कर रही है। उनके नेतृत्व में सरकार सुशासन का रोल मॉडल विश्व को देने के लिए प्रतिबद्ध है। विजय रूपाणी ने आगे कहा, आज से पच्चीस–तीस साल पहले ऐसा समय था कि, हमारे गुजरात में पानी की बहुत किल्लत थी, लेकिन पिछले दो दशकों में गुजरात वॉटर डेफिसिट में से वॉटर सरप्लस स्टेट बन चुका है। नीति आयोग ने भी बेस्ट कॉम्पोजिट वॉटर मैनेजमेन्ट इन्डेक्स में गुजरात को प्रथम स्थान दिया है। पीने का पानी, कृषि के लिए सिंचाई का पानी या अन्य उपयोग के पानी का किफायती और विवेकपूर्ण उपयोग तथा आदर्श जल व्यवस्थापन के परिणाम स्वरूप गुजरात जल संचय के क्षेत्र में आदर्श राज्य बना है। रूपाणी ने आगे कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2024 तक पूरे देश में हर परिवार को नल के माध्यम से पीने का शुद्ध पानी देने के लिए 'नल से जल' का लक्ष्य निर्धारित किया है, लेकिन गुजरात ने पहले ही इसके लिए आयोजन कर लिया है और उसके परिणामस्वरूप दो वर्ष पहले ही यानि 2022 तक इस लक्ष्य को पूरा करने का संकल्प किया है। मुख्यमंत्री ने कहा– यह योजना स्मार्ट सिटी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पूरे देश में कुछ शहरी क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में 24x7 पीने के पानी की योजना का अमल हुआ है, लेकिन पूरे शहर के लिए ऐसी योजना को लागू करना, देश में पहली बार हो रहा है। गांधीनगर महानगर पूरे देश में 24 घंटे पीने के पानी की आपूर्ति करने वाला पहला और एकमात्र शहर बनने वाला है। इस अवसर पर रूपाणी ने गांधीनगर के सभी नागरिकों को शुभकामनाएं दी और कहा कि पानी के विवेकपूर्ण उपयोग को प्रेरित करने के लिए गांधीनगर में हर घर में वॉटर मीटर लगाया जाएगा। गांधीनगर शहर को अभी प्रतिदिन 6.5 करोड़ लीटर पीने का पानी दिया जा रहा है, उसे अब बढ़ाकर प्रतिदिन 16 करोड़ लीटर पानी दिया जा सके ऐसा इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास पर कार्य किया जा रहा है। कोविड–19 महामारी के संदर्भ में बात करते हुए रूपाणी ने कहा, 'कोरोना हारेगा और गुजरात जीतेगा' के मंत्र के साथ गुजरात ने कोरोना के खिलाफ जंग छेड़ी है। इस महामारी के समय में कुछ न करने के बजाय कोरोना के साथ जीना सीखकर रोजमर्रा की गतिविधियों और विकास के कामों को गति देने का संकल्प लिया है। गुजरात ने कोरोना वायरस के संक्रमण के चार महीनों की अवधि में पूरे राज्य में 7,655 करोड़ रुपए के कार्यों का भूमिपूजन किया है और 2,280 करोड़ रुपए के कार्यों का ई–लोकार्पण करके विकास का नया मार्ग प्रशस्त किया है। इस प्रकार कुल 9,935 करोड़ रुपए के कार्यों का ई–भेंट गुजरात को दी है। विजय रूपाणी ने आगे कहा कि, गुजरात के लिए जल संकट कोई समस्या नहीं बल्कि यह एक शक्ति बना है। जल व्यवस्थापन से गुजरात पानीदार राज्य बना है। इस सफलता में प्रत्येक गुजरातवासी का भी पूरा योगदान है और इसके लिए गुजरात के हर एक नागरिक को मैं शुभकामनाएं देता हूं। वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से इस कार्यक्रम के साथ जुड़ीं गांधीनगर की महिला मेयर रीटा पटेल ने गांधीनगर की सभी महिलाओं की तरफ से केन्द्र सरकार और राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

गांधीनगर की सभी गृहिणीयों की ओर से खुशी व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, कम फोर्स से आता पानी और दूषित पानी जैसी समस्याएं अब नहीं रहेंगी और गांधीनगर में हर घर में 24x7पीने का पानी मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री ने 229 करोड़ रुपए की लागत से हर घर में शुद्ध पेयजल पहुंचाने वाली योजना का किया ई–शिलान्यास

गुजरात में रिकवरी रेट 83.81 प्रतिशत, अब तक 99808 हुए ठीक

गुजरात में कोरोना के कुल केसों का आंकड़ा 1.20 लाख के और इस रोग से ठीक होनेवालों की संख्या एक लाख के करीब पहुंच गईहैद्य राज्य में अब तक कुल 99808 लोग कोरोना को मात देकर ठीक हो चुके हैं। बीते 24 घंटों में राज्यभर में कोरोना के 1379 नए केस दर्ज हुए हैं। जबकि 1652 लोगों के ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। अहमदाबाद समेत राज्य में 14 मरीजों की कोरोना से मौत हो गईद्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 171, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 151, सूरत में 109, जामनगर कॉर्पोरेशन में 108, राजकोट कॉर्पोरेशन में 99, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 86, राजकोट में 46, मेहसाणा में 41, वडोदरा में 41, बनासकांठा में 39, भावनगर कॉर्पोरेशन में 31, कच्छ में 30, गांधीनगर में 29, पंचमहल में 28, पाटन में 28, अमरेली में 26, मोरबी में 26, भरुच में 25, भावनगर में 24, जामनगर में 21, अहमदाबाद में 20, जूनागढ़ में 19, महीसागर में 19, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 18, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 18, दाहोद में 17, गिर सोमनाथ में 13, वलसाड में 12, देवभूमि द्वारका में 11, अरवल्ली में 9, बोटाद में 8, खेडा में 8, नर्मदा में 8, आणंद में 7, साबरकांठा में 7, छोटाउदेपुर में 6, नवसारी में 6, डांग में 5, पोरबंदर में 5, सुरेन्द्रनगर में 2 और तापी में 2 समेत राज्यभर में कुल 1379 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैं। जबकि 1652 लोग कोरोना के मात देकर ठीक हो गईं। इस दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 4, सूरत में 4, सूरत कॉर्पोरेशन में 2, बनासकांठा, देवभूमि द्वारका, वडोदरा और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1–1 समेत कुल 14 मरीजों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक आज 85620 समेत राज्यभर में अब तक कुल 3609273 लोगों का टेस्ट किया गया है। जिसमें कुल 119088 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए। इसमें से 99808 लोग स्वस्थ हो गए हैं और 3273 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। शेष 16007 एक्टिव केसों में 15911 मरीजों की हालत स्थिर है और 96 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में 605342 लोगों को कोरन्टाइन किया गया है। जिसमें 604835 होम कोरन्टाइन और 507 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

24 घंटों में राज्य में 1379 नए केस, 1652 लोगों को डिस्चार्ज किया गया, 14 की मौत

देसी गाय आधारित प्राकृतिक कृषि के जरिए जल, जमीन और पर्यावरण की रक्षा होगी : राज्यपाल

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए सात कदम किसान कल्याण के योजना के अंतर्गत प्राकृतिक कृषि से जुड़ी दो योजनाओं के लोकार्पण अवसर पर कहा कि देसी गाय आधारित प्राकृतिक कृषि के जरिए जल, जमीन और पर्यावरण की रक्षा होगी। उन्होंने कहा कि देसी गाय आधारित प्राकृतिक कृषि प्रोत्साहक योजना से किसानों का पुरुषार्थ पारसमणि बनकर खेतों में लहलहाएगा। राज्यपाल ने कहा कि गाय भारतीय संस्कृति के साथ जुड़ी हुई है इसलिए ही वेदों में 'गावो विश्वस्य मातरः' अर्थात कल्याणकारी गाय को विश्व की माता के समान माना गया है। 'सात पगला खेडूत कल्याण ना' योजना के तहत देसी गाय के पालन के लिए राज्य सरकार की ओर से किसानों को प्रति माह 900 रुपए की सहायता तथा प्राकृतिक कृषि के लिए देसी गाय के गोबर और गो मूत्र की मदद से बनने वाले प्राकृतिक खाद यानी जीवामृत और घन जीवामृत बनाने के लिए किसानों को 1,350 रुपए की साधन–सहायता मुहैया कराने वाली ये दो योजनाएं गुजरात के किसानों को प्राकृतिक कृषि अपनाने के लिए नया बल प्रदान करेंगी। राज्यपाल ने हरियाणा राज्य के कुरुक्षेत्र में स्थित गुरुकुल में 200 एकड़ भूमि में की जा रही पद्मश्री सुभाष पालेकर प्रेरित प्राकृतिक कृषि के स्वानुभाव का जिक्र करते हुए कहा कि इस कृषि पद्धति से भूमि का उर्वरता बढ़ती है साथ ही जल, जमीन और पर्यावरण की रक्षा होती है और देसी गाय का जतन–संवर्धन भी होता है। देवव्रत ने कहा कि एक देसी गाय के गोबर और गो मूत्र की मदद से 30 एकड़ जमीन में प्राकृतिक कृषि हो सकती है। इस पद्धति में कृषि लागत न्यूनतम होने से इससे किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2022 में किसानों की आय दोगुनी करने का जो संकल्प लिया है, उसे साकार करने में प्राकृतिक कृषि स्वयं रासायनिक कृषि का मजबूत विकल्प साबित होगी। यही नहीं, रासायनिक कृषि के घातक प्रभाव से लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले बुरे प्रभाव को भी रोका जा सकेगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक कृषि के क्षेत्र में गुजरात के किसान पूरे देश को दिशा बताएंगे। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुजरात के सपूत और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राज्य के साढ़े छह करोड़ नागरिकों की ओर से जन्मदिन की शुभकामनाएं और उनके दीर्घायु होने कामना व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत माता जगत जननी बने ऐसी ईश्वर उन्हें शक्ति प्रदान करे।

21 सितम्बर से अहमदाबाद से तीन जोड़ी क्लोन स्पेशल ट्रेन चलाई जायेगी

अहमदाबाद विशिष्ट रेल मार्गो पर यात्रियों की भारी मांग को देखते हुए, रेल मंत्रालय ने 21 सितम्बर, 2020 से 20 जोड़ी क्लोन स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इन 20 जोड़ियों में से पाँच जोड़ी क्लोन स्पेशल ट्रेनें पश्चिम रेलवे से चलेंगी। जिसमे तीन जोड़ी अहमदाबाद से चलाई जाएगी ये क्लोन स्पेशल ट्रेनें अधिसूचित समय पर हमसफर टाइप रेकों के साथ चलेंगी और पूरी तरह से आरक्षित ट्रेनें होंगी। अहमदाबाद डिवीजन के मण्डल रेल प्रबन्धक के दीपक कुमार के अनुसार, इन 20 जोड़ी ट्रेनों में से 3 ट्रेनें अहमदाबाद स्टेशन से चलाई जाएगी। इन ट्रेनों में अहमदाबाद–दरभंगा, अहमदाबाद– दिल्ली एवं अहमदाबाद– पटना विशेष ट्रेनें शामिल हैं। ये क्लोन विशेष ट्रेनें हमसफर रेक के साथ चलेंगी और इनमें हमसफर ट्रेनों का प्रभार लागू होगा। क्लोन स्पेशल ट्रेनें उन विशेष ट्रेनों के अतिरिक्त होंगी जो पहले से ही परिचालन में हैं। इन विशेष रेलगाड़ियों में ट्रेन नंबर 09465/66 अहमदाबाद–दरभंगा साप्ताहिक स्पेशल, ट्रेन नं 09415/16 अहमदाबाद–दिल्ली द्वि– साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल और ट्रेन नंबर 09447/48 अहमदाबाद–पटना साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल शामिल हैद्य

ट्रेन संख्या 09465 अहमदाबाद–दरभंगा साप्ताहिक स्पेशल 25 सितम्बर, 2020 से प्रत्येक शुक्रवार को 20.40 बजे अहमदाबाद से छूटेगी और रविवार को 09.30 बजे दरभंगा पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09466 दरभंगा–अहमदाबाद से 28 सितंबर, 2020 से प्रत्येक सोमवार को प्रातः 04.00 बजे छूटेगी और मंगलवार को 16.20 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन छायापुरी, रतलाम, उज्जैन, गुना, बीना, झांसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, फैजाबाद, शाहगंज जंक्शन, छपरा, मुजफ्फरपुर जंक्शन और समस्तीपुर जंक्शन स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3–टियर और स्लीपर श्रेणी के कोच शामिल हैं। ट्रेन नं 09415 अहमदाबाद– दिल्ली 23 सितम्बर, 2020 से प्रत्येक रविवार और बुधवार को 17.40 बजे अहमदाबाद से छूटेगी और अगले दिन 07.55 बजे दिल्ली पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन नंबर 09416 दिल्ली–अहमदाबाद 24 सितम्बर, 2020 से प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को 14.20 बजे दिल्ली से छूटेगी और अगले दिन सुबह 04.35 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। ट्रेन दोनों दिशाओं में आबू रोड, अजमेर और जयपुर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3–टियर और स्लीपर श्रेणी के कोच शामिल हैं। ट्रेन संख्या 09447 अहमदाबाद– पटना साप्ताहिक स्पेशल 23 सितंबर, 2020 से प्रत्येक बुधवार को 19.45 बजे अहमदाबाद से छूटेगी और शुक्रवार को 00.30 बजे पटना पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09448 पटना– अहमदाबाद स्पेशल 25 सितम्बर, 2020 से प्रत्येक शुक्रवार को 22.30 बजे पटना से रवाना होगी और रविवार को 02.05 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन छायापुरी, रतलाम, कोटा, आगरा फोर्ट, कानपुर सेंट्रल और पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3–टियर और स्लीपर श्रेणी के कोच शामिल हैं। ट्रेन नंबर 09465, 09415 और 09447 की बुकिंग 19 सितंबर, 2020 से निर्धारित पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। एडवांस रिजर्वेशन पीरियड 10 दिनों का रहेगा।

डेढ लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथ धरा गया क्लास 2 अधिकारी

वडोदरा एसीबी ने छोटाउदेपुर जिले में बतौर उप कृषि अधिकारी योगेश जेठाभाई अमीन को कीटनाशक दवाई विक्रेता से रु. 1.50 लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। वाघोडिया–डभोई रिंग रोड स्थित तीर्थक टेनामेंट निवासी योगेश जेठाभाई अमीन फिलहाल

छोटाउदेपुर की विस्तार कचहरी में क्लास 2 उप कृषि निदेशक हैं। कुछ दिन पहले योगेश अमीन ने नसवाडी के मुख्य बाजार स्थित कीट नाशक व्यापारी की दुकान में जांच की थी। जांच में व्यापारी के यहां से अनाधिकृत कीट नाशक दवाईयां बरामद हुई होने पर योगेश अमीन ने उसे कारणदर्शक नोटीस दी थी।

मामले को रफादफा करने के एवज में अधिकारी ने व्यापारी से रु. 2.50 की रिश्वत मांगी थी। हांलाकि बाद में 1.50 लाख रुपए में सौदा तय हो गया।

बाद में व्यापारी ने वडोदरा एसीबी में योगेश अमीन के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दीं ।

जिसके आधार पर वडोदरा एसीबी ने व्यापारी की दुकान के आसपास जाल बिछाया। तय समय पर रिश्वत की रकम लेने पहुंचे कृषि अधिकारी योगेश अमीन ने जैसे ही व्यापारी के हाथ से रुपए लिए, एसीबी ने उसे रंगे हाथ दबोच लिया।

गुजरात में पीजी सेंटरों को 750 करोड़ रुपए का नुकसान

अहमदाबाद। लॉकडाउन के कारण कई धंधे और रोजगार बंद हो गए हैं या हिचकोले खाकर चल रहे हैं। ऐसे में अहमदाबाद में चल रहा रहा पेइंग गेस्ट (पीजी) और रेंटल व्यवसाय भी ऑक्सीजन पर आ गया है।

संचालकों ने बताया कि करीब दो लाख पीजी सेंटर में करीब 15 लाख लड़के– लड़कियां, नौकरी–पेशा लोग रहते थे। रहने, दो समय का खाने और दो टाइम का चाय–नाश्ता के लिए एक व्यक्ति से कम से कम 5 हजार रुपए प्रति महीने पीजी संचालक लेते थे।

इससे पीजी में रहने वाले 15 लाख लोग प्रति माह 750 करोड़ रुपए रहने और खाने के लिए चुकाते थे। जब लॉकडाउन हुआ तभी पीजी में रहने वाले 70 प्रतिशत लोग रूम खाली कर चले गए। जबकि अभी 20 से 30 प्रतिशत लोग ही रहते हैं। पीजी व्यवसाय के साथ जुड़े ज्यादातर लोग ऐसे हैं, जो एक ही व्यवसाय पर निर्भर थे इस कारण उनके परिवार की हालत दयनीय हो गई है।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम अहमदाबाद में सबसे अधिक पीजी सेंटर सेटेलाइट, वस्त्रापुरा, गुरुकुल रोड, सोला, साइंससिटी, नवरंगपुरा, नारणपुरा, गुजरात यूनिवर्सिटी, घाटसलोडिया, पालडी, वासना, आंबावाडी में चलते थे।

पीजी सेंटर में 8 हजार रुपए में एसी रूम जिसमें लाइट बिल रहने वाले को चुकाना पड़ता था। अलग रूम में रहने के लिए मासिक किराया 10 से 15 हजार तक लिया जाता था।

सर्वोच्च सतह पर पहुंचा सरदार सरोवर बांध का जलस्तर, मुख्यमंत्री की ई पूजा

अहमदाबाद गुजरात की जीवनदायिनी सरदार सरोवर नर्मदा डैम जलस्तर अपने सर्वोच्च सतर 138.68 मीटर पर पहुंच गया है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म दिन भी है और उनके जन्म दिन पर नर्मदा नदी की पूजा की गई।

गुजरात सरकार में राज्यमंत्री योगेश पटेल और नर्मदा निगम के एमडी राजीव गुप्ता ने आरती और पूजन कर नर्मदा मैया का स्वागत किया। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने भी अपनी ऑफीस से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ई पूजन कर नर्मदा की पूजा की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आज हमारे लिए आनंद का दिन है। भारत को विश्वभर में मान सम्मान दिलाने वाले गुजरात के यशस्वी पुत्र नरेन्द्र मोदी का जन्म दिन है और इस मौके पर जनता की ओर से विकास कार्यों की उन्हें भेंट दी है। पीएम मोदी के जन्म दिन पर विकास के कार्य करें। पीएम मोदी ने विकास की राजनीति शुरू की है और प्रत्येक को विकास का हिसाब देना पड़ता है।

गुजरात की जीवनदायिनी सरदार सरोवर नर्मदा बांध का जलस्तर अपनी सर्वोच्च सतह 138.68 मीटर तक पानी से लबालब हो गया हैद्य इस अवसर पर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने अपनी ऑफीस से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ई पूजन कर नर्मदा की पूजा की।

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में 10 संस्थाओं के साथ होगा एमओयू

अहमदाबाद गुजरात सरकार का क्लाइमेट चेंज विभाग अपनी स्थापना के 11 वर्ष गुरुवार 17 सितंबर, 2020 को पूरे कर रहा है। यह राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता ही थी जो उन्होंने गुजरात में क्लाइमेट चेंज को लेकर अलग विभाग बनाया था। इस विभाग के 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर कल यानि गुरुवार अपराह्न 3.00 बजे राज्य के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की उपस्थिति में जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में क्रांति के उद्देश्य से 10 विभिन्न संस्थाओं के साथ एमओयू किया जाएगा। इसके अलावा, रूपाणी विभाग की गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत करने वाली पुस्तक 'बिल्डिंग ए क्लाइमेट रिलेसियन्स गुजरात– ए डिकेड ऑफ क्लाइमेट एक्शन एंड रोड–मैप फॉर द फ्युचर कॉम्पोडियम' का ई–अनावरण भी करेंगे। क्लाइमेट चेंज विभाग की विज्ञप्ति के अनुसार विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ स्थानीय स्तर पर कार्य कर रहा है। इन सभी संस्थाओं के साथ संबंधों को मजबूती देने तथा प्रतिष्ठित संस्थाओं के संशोधनों तथा अनुषांगिक जानकारी को राज्य के हित में उपयोग में लेने के वास्ते विभिन्न 10 संस्थाओं के साथ एमओयू किया जाएगा। इसके अंतर्गत भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस एप्लीकेशन एंड जियो–इंफॉर्मेटिक्स (बायसेग), भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान– आईआईटी–गांधीनगर, गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम और गुजरात गैस, मुख्य नगर नियोजकों, गुजरात काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, गुजरात आजीविका प्रोत्साहन कंपनी, आणंद कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात स्टेट बायो टेक्नोलॉजी मिशन और शिक्षा विभाग के अधीन नॉलेज कंसोर्टियम के साथ एमओयू किया जाएगा। मौजूदा हालात को देखते हुए कार्यक्रम को ई–प्लेटफॉर्म पर आयोजित किया गया है, जिसमें देश–विदेश के विशेषज्ञ ऑनलाइन उपस्थित रहकर मुख्यमंत्री के साथ सीधा संवाद करेंगे।

इस कार्यक्रम की लिंक क्लाइमेट चेंज विभाग तथा गुजरात ऊर्जा विकास एजेंसी की वेबसाइट पर रखी जाएगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)